सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

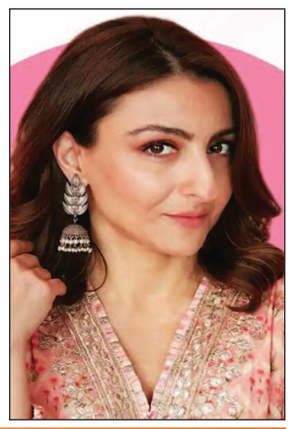

अभी संन्यास लेने का इरादा नहीं : स्मिथ पेज: 7

वीडियो पोस्ट कर हेल्दी जूस की रेसिपी बताई सोहा अली ने पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 266 | सोमवार 05 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

1,700 एकड़ से अधिक आरक्षित वन भूमि से अतिक्रमण हटाया गया: हिमंत

असम एजेंसी: असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम के होजई जिले में 1,700 एकड़ से अधिक आरक्षित वन भूमि को अतिक्रमणसेमुक्त करा लिया गया है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शर्मा ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में 1,732.5 एकड़ क्षेत्र में चलाए गए बेदखली अभियान का जिक्र करते हुए कहा, जमुना-मउडांगा आरक्षित वन (आरएफ) में अवैध अतिक्रमण का खेल खत्म (गेम ओवर)। शांतिपूर्ण, कानूनी और निर्णायक कार्रवाई के माध्यम से 5,250 बीघा भूमि को पुनः प्राप्त करने के साथ मिशन पूरा हुआ। शर्मा ने कहा, किसी चीट कोड की आवश्यकता नहीं है। इसे चेतावनी समझें: अवैध अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वर्ष 2021 में शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद से, कथित अतिक्रमणकारियों से जमीन खाली कराने के लिए

वॉलीबॉल कोर्ट से ओलंपिक तक, काशी में नेशनल चैंपियनशिप के उद्घाटन पर पीएम मोदी ने बताया भारत का 'मिशन 2036'

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में रविवार को 11 जनवरी तक आयोजित होने वाले 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का वर्चुअली उद्घाटन किया। उन्होंने चैंपियनशिप में हिस्सा लेने आए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी और स्थानीय सांसद होने के नाते उनका स्वागत किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक उपस्थित रहे। पीएम मोदी ने कहा- वाराणसी को समझिए, जानिए उन्होंने कहा कि वाराणसी को जानने के लिए यहां आना पड़ता है। आप सभी यहां आ गए हैं। आप वाराणसी को समझिए, जानिए। आपको यहां खेल का अच्छा माहौल मिलेगा और दर्शक भी अच्छे मिलेंगे। देश के 28 राज्यों की टीमें यहां जुटी हैं, यानी आप सब एक भारत और श्रेष्ठ भारत की सुंदर तस्वीर भी प्रस्तुत कर रहे हैं। आपने जो मेहनत की है, आने वाले दिनों में काशी के मैदान पर उसकी परीक्षा होगी। वॉलीबॉल हमें टीम स्पिरिट से जोड़ता है पीएम ने कहा, वॉलीबॉल सिर्फ एक आम खेल नहीं है। यह बैलेंस और सहयोग का खेल है, जहां पक्का इरादा और दृढ़ इच्छाशक्ति दिखती है। यह हमें सिखाती है कि बॉल को किसी भी कीमत पर हवा में रखना चाहिए। वॉलीबॉल हमें टीम स्पिरिट से जोड़ता है। हर कोई अपने लिए नहीं, बल्कि अपनी टीम के लिए खेलता है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में, खेल को लेकर सरकार और समाज दोनों की सोच में साफ बदलाव आया है। सरकार ने खेल बजट में काफी बढ़ोतरी की है। आज, भारत का खेल मॉडल एथलीट-केंद्रीत हो गया है। टैलेंट की पहचान और वैज्ञानिक प्रशिक्षण से लेकर प्रतिभा के मुताबिक चयन के आधार पर हम आगे बढ़ रहे हैं। बनारस ने कई खेलों के नेशनल खिलाड़ी भी दिए हैं प्रधानमंत्री ने कहा, बनारस ने कई खेलों के नेशनल खिलाड़ी भी दिए हैं। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, यूपी कॉलेज, काशी विद्यापीठ जैसे शिक्षा संस्थानों के खिलाड़ी राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर

भारत पूरी मजबूती से 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए

उन्होंने कहा, बीते दशक में कई शहरों में फीफा वर्ल्ड कप, हॉकी विश्व कप, चेस से जुड़े बड़े इवेंट्स सहित 20 से अधिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय इवेंट आयोजित किए गए हैं। भारत पूरी मजबूती से 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भी प्रयास कर रहा है।

छाए रहे हैं। काशी तो हजारों वर्षों से उन सबका सत्कार करती आई है, जो ज्ञान और साधना के लिए यहां जाते हैं। इसलिए मुझे विश्वास है कि नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप के दौरान बनारस का जोश हाई रहेगा। जब देश विकास करता है, तो यह प्रगति सिर्फ आर्थिक मोर्चे तक सीमित नहीं रहती, यह आत्मविश्वास खेल के मैदान पर भी दिखता है। यही हम बीते कुछ वर्षों में हर खेल में देख रहे हैं। 2014 के बाद से अलग-अलग खेलों में भारत का प्रदर्शन बेहतर हुआ पीएम ने कहा, 2014 के बाद से अलग-अलग खेलों में भारत का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। हमें बहुत गर्व होता है जब जेन जी को खेल के मैदान पर तिरंगा फहराते देखते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, हम स्कूल लेवल पर एथलीट्स को ओलंपिक खेल का एक्सपोजर देने के लिए भी काम कर रहे हैं। खेलो इंडिया पहल की वजह से सैकड़ों युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का मौका मिला है। कुछ दिन पहले, सांसद खेल महोत्सव खत्म हुआ। इसमें भी करीब एक करोड़ युवाओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई। सरकार ने खेल क्षेत्र में बड़े सुधार किए हैं। नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट और खेलो भारत नीति 2025 के जरिए, सही टैलेंट को मौके मिलेंगे और खेल संस्थानों में ज्यादा ट्रांसपेरेंसी पक्की होगी। टॉप्स जैसी पहल भारत में एक मजबूत और सस्टेनेबल स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने में मदद कर रही हैं। एक समय था जब सरकार और समाज दोनों ही खेल के प्रति बेपरवाही दिखाते थे। एथलीट्स भी अपने भविष्य को लेकर परेशान रहते थे। उन्होंने कहा, बीते दशक में कई शहरों में फीफा वर्ल्ड कप, हॉकी विश्व कप, चेस से जुड़े बड़े इवेंट्स सहित 20 से अधिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय इवेंट आयोजित किए गए हैं। भारत पूरी मजबूती से 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए

संयुक्त अरब अमीरात के दौरे पर रवाना हुए सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी आज रविवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के आधिकारिक दौरे पर रवाना हुए हैं। यह यात्रा भारत और यूएई के बीच बढ़ते रणनीतिक एवं रक्षा संबंधों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी। दोनों देशों के रक्षा संबंध सशक्त करने की दिशा में यह यात्रा एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। थलसेना प्रमुख का यह दौरा दोनों देशों के बीच आपसी समझ को गहरा करने, साझा हितों वाले क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने तथा द्विपक्षीय रक्षा साझेदारी को व्यापक बनाने पर केंद्रित है। यात्रा के दौरान जनरल द्विवेदी यूएई के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और रक्षा नेतृत्व से मुलाकात करेंगे, जिसके माध्यम से सैन्य-स्तरीय संवाद, संयुक्त प्रशिक्षण, रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग और क्षमता निर्माण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की संभावना है। भारतीय सेना के मुताबिक जनरल उपेन्द्र द्विवेदी रविवार को यूएई के लिए रवाना हो गए हैं। जनरल द्विवेदी 5 व 6 जनवरी को यूएई के सैन्य नेतृत्व समेत विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। गौरतलब है कि भारत और यूएई के बीच बीते कुछ वर्षों में रक्षा क्षेत्र में लगातार सहयोग बढ़ रह हैं। दोनों देशों की सेनाएं कई संयुक्त सैन्य अभ्यासों, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद-निरोधक और सूचना-साझेदारी जैसे अहम मुद्दों पर मिलकर काम कर रही हैं। माना जा रहा है कि थलसेना प्रमुख की यह यात्रा अब इस साझेदारी को नई गति और नई दिशा देगी। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जनरल उपेन्द्र द्विवेदी का यह दौरा भारत-यूएई के बीच बढ़ते सामरिक संबंधों की निरंतरता को दशार्ता है। सेनाध्यक्ष की यह यात्रा आने वाले समय में रक्षा सहयोग को और गहरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। गौरतलब है कि बीते दिनों संयुक्त अरब अमीरात की थलसेना के कमांडर मेजर जनरल यूसुफ मयूफ सईद अल हल्लामी ने भारत दौरा किया था। अक्टूबर महीने के अंत में हुई उनकी यह आधिकारिक भारत यात्रा थी। उनकी यह यात्रा दोनों सेनाओं के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने में एक अहम मील का पत्थर साबित हुई थी। अपनी भारत यात्रा के दौरान मेजर जनरल अल हल्लामी ने भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की थी। तब दोनों सेनाओं के बीच सहयोग को और घनिष्ठता देने तथा नई संभावनाओं को तलाशने पर चर्चा हुई थी। बैठक में ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल के संबंध में उन्हें विस्तृत जानकारी भी दी गई। इसके साथ ही, उन्हें भारतीय सेना की डिजिटल क्षमता से अवगत कराया गया था।

तृणमूल सरकार की उन्नयनेर पांचाली के मुकाबले में भाजपा का चोरदेर पांचाली अभियान : शुभेंदु

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि भाजपा तृणमूल कांग्रेस सरकार के कथित गलत कामों से लोगों को अवगत कराने के लिए पूर्व मेदिनीपुर ज़िले में चोरदेर पंचाली नामक झांकियां निकालेगी। अधिकारी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किया गया उन्नयनेर पांचाली (विकास की गाथा) अभियान, नरेन्द्र मोदी नीत सरकार और राज्य में विपक्षी दलों के बारे में झूठ फैला रहा है। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में एक रैली के दौरान पत्रकारों से कहा, भले ही लोग अब तृणमूल कांग्रेस के धोखे को समझ चुके हैं, फिर भी भाजपा को इस अभियान का मुकाबला करना होगा और लोगों को सच्चाई दिखानी होगी। कल से हम नंदीग्राम समेत पूर्व मेदिनीपुर में चोरदेर पांचाली (चोरी की कहानियां) की झांकियां निकालेंगे। रैली को संबोधित करते हुए अधिकारी ने आरोप लगाया कि नंदीग्राम के हिंदू सत्ताधारी पार्टी द्वारा संरक्षित जिहादी तत्वों के भय में जी रहे हैं। उन्होंने कहा, जब हिंदू एकजुट नहीं होते तो क्या होता है, यह सीमा पार बांग्लादेश में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। एक समय बांग्लादेश की जनसंख्या में हिंदुओं की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत थी, लेकिन अब यह घटकर 7 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, अगर नंदीग्राम के हिंदू एकजुट नहीं होते हैं, तो अत्याचार और बढ़ेंगे। तृणमूल के प्रदेश महासचिव कुणाल घोष ने कहा कि अधिकारी सत्ता में आने के लिए ध्रुवीकरण का खतरनाक दांव खेल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, बंगाल के लोग भाजपा की चाल में नहीं फंसेंगे, जो बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं का हवाला देकर यहां सांप्रदायिक कलह के बीज बो रही है। पश्चिम बंगाल में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और तृणमूल कांग्रेस की नजर लगातार चौथी बार सत्ता में आने पर है।

बिहार के गोपालगंज पहुंचा दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग, दर्शन के लिए उमड़े हजारों भक्त

बिहार एजेंसी: तमिलनाडु के महाबलीपुरम से शुरू हुई एक ऐतिहासिक यात्रा अब अपने अंतिम पड़ाव के करीब है। दुनिया का सबसे विशाल शिवलिंग बिहार के गोपालगंज पहुंच चुका है, जहाँ इसके दर्शन के लिए भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा है। 210 मीट्रिक टन वजनी और 33 फीट ऊंचे इस शिवलिंग को पूर्वी चंपारण के केसरिया स्थित 'विराट रामायण मंदिर' में स्थापित किया जाएगा। 10 साल की मेहनत और एक ही पत्थर से निर्माण इस अद्भुत शिवलिंग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे तमिलनाडु के महाबलीपुरम में एक ही विशाल 'ब्लैक ग्रेनाइट' पत्थर (मोनोलिथ) को काटकर बनाया गया है। इसे तराशने में कलाकारों को करीब 10 साल का समय लगा। शिवलिंग की सतह पर 1008 छोटे सहस्त्रलिंगम भी उकेरे गए हैं, जो इसकी दिव्यता को और बढ़ाते हैं। इस भारी-भरकम शिवलिंग को 96 पहियों वाले एक विशेष ट्रक के जरिए सड़क मार्ग से बिहार लाया गया है। भक्तों में भारी उत्साह गोपालगंज पहुंचते ही स्थानीय लोगों ने जयकारों के साथ शिवलिंग का स्वागत किया। स्थानीय निवासी सत्यम गोस्वामी ने खुशी जताते हुए कहा, 'हम खुशकिस्मत हैं कि दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग हमारे यहां आया है। सुबह से ही भक्त पूजा-अर्चना के लिए जुट रहे हैं।' वहीं कुंदन देवी नाम की श्रद्धालु ने बताया कि पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल है और लोग दूर-दूर से इस विशाल शिवलिंग की एक झलक पाने आ रहे हैं। कैसा होगा 'विराट रामायण मंदिर'? महावीर मंदिर न्यास समिति द्वारा बनवाए जा रहे इस भव्य मंदिर का निर्माण कार्य जोरों पर है। मंदिर 1080 फीट लंबा और 540 फीट चौड़ा होगा। इसमें कुल 18 शिखर होंगे, जिनमें मुख्य शिखर की ऊंचाई 270 फीट होगी। 17 जनवरी को केसरिया के विराट रामायण मंदिर में विधि-विधान के साथ शिवलिंग की स्थापना की जाएगी। यह मंदिर न केवल धार्मिक रूप से बल्कि पर्यटन के लिहाज से भी बिहार के लिए एक बड़ा केंद्र बनने जा रहा है।

बाड़मेर-बालोतरा सीमा का पुनर्गठन तुगलकी आदेश : अशोक गहलोत

राजस्थान एजेंसी: राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भाजपा सरकार द्वारा शनिवार देर रात किए गए बाड़मेर और बालोतरा जिलों की सीमाओं के पुनर्गठन की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने रविवार को इस कदम को तुगलकी आदेश करार देते हुए कहा कि यह जल्दबाजी में लिया गया निर्णय है जो जनहित के खिलाफ है। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बायतू को बाड़मेर जिले में और गुड़ामालानी धोरीमन्ना को बालोतरा में शामिल करने का निर्णय प्रशासनिक दृष्टि से कतई तर्क संगत नहीं है। इससे गुड़ामालानी क्षेत्र की जनता के लिए जिला मुख्यालय की दूरी कम होने के बजाय और बढ़ गई है। गहलोत ने कहा, यह आम जनता के साथ घोर अन्याय है। स्पष्ट है कि यह निर्णय जनसुविधा के लिए नहीं बल्कि आगामी परिसीमन और सियासी समीकरणों को साधने के लिए लिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाने की मंशा से नए जिले बनाए थे, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मौजूदा सरकार जनभावनाओं को दरकिनार कर केवल सियासी रोटियां सेकने में व्यस्त है।

हरियाणा में भाजपा सरकार ने अपनी नीतियों के केंद्र में युवाओं को रखा है: सीएम सैनी

पंचकुला एजेंसी: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार ने युवाओं को लगातार अपनी नीतियों के केंद्र में रखा है और उनके इर्द-गिर्द केंद्रित कई योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने पंचकुला में 29वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेने वाले राज्य प्रतिनिधिमंडल के साथ आयोजित प्रेरणादायी संवाद कार्यक्रम में दावा किया कि बीते एक दशक में केंद्र और राज्य सरकारों ने वे काम पूरे कर दिखाए हैं, जो पिछली सरकारें कई दशकों में भी नहीं कर सकीं। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव के 64 युवा प्रतिभागियों से बातचीत की। यह प्रतिनिधिमंडल नौ से 12 जनवरी तक नयी दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2026 में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेगा और समूह नृत्य, वाद-विवाद, चित्रकला, युवा नेताओं के संवाद, सामाजिक कार्यों के लिए हैकिंग और विकसित भारत के लिए डिजाइन सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेगा। सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मनाया जाता है, जो न केवल उम्र में बल्कि अपने विचारों और कार्यों में भी युवा थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के युवा हमेशा से ही मेहनती, अनुशासित और देशभक्त रहे हैं, यही कारण है कि वे आज सशस्त्र बलों, खेल, शिक्षा, कृषि और उद्यमिता सहित हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया है कि युवा सशक्तीकरण एक मजबूत भारत के निर्माण की कुंजी है, और यदि देश को वैश्विक नेता के रूप में उभरना है तो देश के युवाओं को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

कांग्रेस का मनरेगा अभियान भ्रष्टाचार बचाने के लिए: शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार कोह्यमनरेगा बचाओ संग्राम'अभियान की घोषणा के लिए कांग्रेस की कड़ी आलोचना की। मीडिया से बात करते हुए श्री चौहान ने कहा कि यह अभियान मनरेगा को बचाने के लिए नहीं बल्कि भ्रष्टाचार को बचाने के लिए है। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस को काम और भगवान राम से समस्या है। भ्रष्टाचार उनके डीएनए में है, और मनरेगा उस भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गया था। श्रमिकों के बजाय, मशीनों और ठेकेदारों का उपयोग किया गया, और श्रम के नाम पर जेबें भरी गईं।' गौरतलब है कि कांग्रेस ने आगामी आठ जनवरी से मनरेगा बचाओ संग्राम नाम से एक देशव्यापी अभियान चलाने का ऐलान किया है। कांग्रेस ने कहा था कि उनका यह अभियान 45 दिनों तक चलेगा और देश के सभी राज्यों, जिलों, ब्लॉकों और ग्राम पंचायतों में आयोजित किया जाएगा। इस संग्राम का उद्देश्य मनरेगा, 2005 में निहित संवैधानिक काम के अधिकार को बहाल करना है, जिसे सभी राजनीतिक दलों और राज्यों की व्यापक सहमति के साथ लागू किया गया था। श्री चौहान ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ग्राम सभाओं के किए गए सामाजिक अंकेक्षण के दौरान 10 लाख से अधिक शिकायतें मिलीं थीं। उन्होंने कहा कि काम के नाम पर एक ही सड़क बार-बार बनाई गई। यही नहीं 80 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों को काम दिया गया और 30 प्रतिशत से अधिक श्रमिक 60 वर्ष से ऊपर के थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने मनरेगा को 8.48 लाख करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए गए हैं, जबकि यूपीए सरकार के दौरान यह लगभग 2 लाख करोड़ रुपये था।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार कोह्यमनरेगा बचाओ संग्राम'अभियान की घोषणा के लिए कांग्रेस की कड़ी आलोचना की। मीडिया से बात करते हुए श्री चौहान ने कहा कि यह अभियान मनरेगा को बचाने के लिए नहीं बल्कि भ्रष्टाचार को बचाने के लिए है।

श्री चौहान ने कांग्रेस को 'झूठ की फैक्ट्री' की संज्ञा देते हुए कहा और पार्टी पर यह अफवाह फैलाने का आरोप लगाया कि इसमें श्रमिकों को काम नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि नई शुरू की गईह्यविकसित भारत जी राम जी'योजना श्रमिकों के हितों की बेहतर रक्षा करती है, जिसमें 100 के बजाय 125 दिनों के गारंटीकृत रोजगार की पेशकश की गई है, काम उपलब्ध न होने पर बेरोजगारी भत्ते की सुनिश्चितता है, और देरी से भुगतान पर जुमार्ने का प्रावधान है। उन्होंने कहा, 'सरकार की प्राथमिकता श्रमिकों को अधिक देना और गांव का विकास सुनिश्चित करना है। चालू वित्त वर्ष में 1,92,282 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। अब ग्राम सभाएं, पंचायतें और ग्रामीण तय करेंगे कि उनके गांवों में किन कार्यों की आवश्यकता है, जिसमें जल संरक्षण, स्कूल, अस्पताल, आंगनवाड़ी और सड़कें शामिल हैं।' श्री चौहान ने दावा किया कि विकसित भारत जी राम जी योजना मनरेगा से बेहतर है और कांग्रेस पर इसका विरोध करने का आरोप लगाया क्योंकि यह भ्रष्टाचार को खत्म करती है। उन्होंने लोकसभा बहसों में पार्टी की अनुपस्थिति पर चुनौती दी और उनसे गलत सूचना न फैलाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के माध्यम से सच्चाई प्रदर्शित करेगी।

संपादकीय

जानलेवा पेयजल

यह शर्मनाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सौ के करीब लोग अस्पताल में भर्ती हुए और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से बीमार हैं। वैसे भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मग्लानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था। निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी संवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तल्ख आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित हो पाएगा?

चिंतन-मनन

यक्ष-प्रश्न की युगीन व्याख्या

महाभारत में एक कथा आती है। अज्ञातवास के दौरान पांडवों को घूमते हुए प्यास लगी। नकुल पानी ढूँढते-ढूँढते जलाशय के पास पहुँचे। जैसे ही वे पानी पीने को उद्यत हुए, एक यक्ष ने उन्हें रोक दिया और कहा कि मेरे प्रश्नों का उत्तर देने के बाद ही तुम पानी पी सकते हो। नकुल और अन्य भाइयों को जोर की प्यास लग रही थी, अतः वे बिना यक्ष के प्रश्नों का उत्तर दिए ही पानी पीने लगे और मृत्यु को प्राप्त हुए। जब युधिष्ठिर की बारी आई तो उन्होंने न केवल यक्ष के सभी प्रश्न ध्यानपूर्वक सुने अपितु उनका तर्कपूर्ण उत्तर भी दिया जिसे सुनकर यक्ष संतुष्ट हो गया। यक्ष द्वारा युधिष्ठिर से पूछे गए प्रश्नों में एक प्रश्न स्थायित्व, धैर्य, स्नान और दान से संबंधित भी था।

यक्ष ने युधिष्ठिर से पूछा कि स्थायित्व किसे कहते हैं? धैर्य क्या है? स्नान किसे कहते हैं? और दान का वास्तविक अर्थ क्या है?

युधिष्ठिर ने इन प्रश्नों का जो उत्तर दिया, वह इस प्रकार था- अपने धर्म में स्थिर रहना ही स्थायित्व है। अपनी इन्द्रियों पर नियंत्रण रखना ही धैर्य है। मनोमालिन्य का त्याग करना ही स्नान है और प्राणीमात्र की रक्षा का भाव ही वास्तव में दान है। महाभारत में एक कथा आती है। अज्ञातवास के दौरान पांडवों को घूमते हुए प्यास लगी। नकुल पानी ढूँढते-ढूँढते जलाशय के पास पहुँचे। जैसे ही वे पानी पीने को उद्यत हुए, एक यक्ष ने उन्हें रोक दिया और कहा कि मेरे प्रश्नों का उत्तर देने के बाद ही तुम पानी पी सकते। महाभारतकालीन यक्ष-युधिष्ठिर संवाद के प्रश्नों के उत्तर की प्रासंगिकता उस युग की तुलना में आज कहीं अधिक है। स्थायित्व या सिद्धांतवादिता को लोगों ने हठधार्मिता का रूप दे दिया है, जबकि संकल्प की दृढ़ता या स्थायित्व से आशय अपने कर्तव्य के प्रति दृढ़ता से है। उसे भौतिक सुख-समृद्धि से जोड़ना गलत है। धैर्य को लेकर भी समाज में अनेक गलत धारणाएँ प्रचलित हैं।

हाथ पर हाथ धरे निठल्ले और आलसी बनकर अवसर की प्रतीक्षा करना धैर्य का पर्याय कभी नहीं हो सकता है। मनुष्य द्वारा श्रेष्ठ कार्यों के प्रति सक्रिय, तत्पर और आतुर बने रहकर अपनी समस्त इन्द्रियों पर अंकुश पाकर सदाचार का जीवन व्यतीत करना ही वास्तव में धैर्य है। शास्त्र और साधु-महात्माओं के प्रवचनों में पवित्र नदियों में स्नान की महिमा का बढ़-चढ़कर बखान किया गया है। लेकिन जब तक हमारे मन की मलीनता नहीं मिटती, तब तक बड़ी से बड़ी नदी में किया गया स्नान भी पूर्ण फलदायी नहीं होगा। अतः जिसने अपने मन को ऊँच-नीच, ईर्ष्या-द्वेष, तेरा-मेरा, बड़ा-छोटा आदि के भेद से पूरी तरह मुक्त कर गंगाजल की तरह पवित्र बना लिया, वह भले ही सौ दिन से नहीं नहाया हो, तब भी उसे सबसे पवित्र इंसान माना जाएगा। दान के बारे में भी लोगों को कई तरह की गलतफहमियाँ हैं। जो सक्षम हैं, वे मुट्ठी-दो मुट्ठी दान कर दाता भाव के अभिमान से चूर हो फूले नहीं समाते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मौन होती पक्षियों की चहचहाहटः विकास की दौड़ में पीछे न छूट जाए प्रकृति का संगीत

दिलीप कुमार पाठक

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में पक्षियों की भूमिका अद्वितीय और अपरिहार्य है। हर साल 5 जनवरी को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय पक्षी दिवस हमें इसी ध्रुव सत्य की याद दिलाता है कि पक्षी केवल सुंदर जीव नहीं, बल्कि हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के सबसे महत्वपूर्ण प्रहरी हैं। आज जब हम वर्ष 2026 के आधुनिक दौर में खड़े हैं, तो यह दिन केवल पक्षियों की सुंदरता को निहारने का नहीं, बल्कि उनके अस्तित्व पर मंडराते गंभीर खतरों को समझने का बन गया है। पक्षी बीजों के प्रकीर्णन से लेकर कीट-पतंगों के नियंत्रण तक में जो भूमिका निभाते हैं, उसके बिना जंगलों का विस्तार रुक जाएगा और पूरी कृषि व्यवस्था चरमरा जाएगी। लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि कंक्रीट के जंगलों ने इन नन्हें जीवों के घर छीन लिए हैं। ऊँची इमारतों की चकाचौंध और मोबाइल टावरों से निकलने वाले अदृश्य रेडिएशन ने उनके खुले आकाश को एक जहरीले जाल में बदल दिया है। वह समय अब एक धुंधली याद बनता जा रहा है जब घरों के आँगन में गौरैया की चहचहाहट से सुबह हुआ करती थी। हमने अपनी सुख-सुविधाओं के लिए जो आधुनिक ढांचे तैयार किए, उन्होंने पक्षियों के प्राकृतिक बसेरे उजाड़ दिए।

अगर हम अपना मूल्यांकन करें तो पाएंगे कि हम सब प्रकृति एवं प्राकृतिक सौंदर्य उजाड़ने, के गुनहगार हैं, हमने पशु पक्षियों के आशियाने उजाड़ दिए हैं ' प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण आज कई प्रजातियाँ विलुप्ति की कगार पर हैं। विशेष रूप से गिद्ध जैसे प्राकृतिक सफाईकर्मी अब आसमान से लगभग गायब हो चुके हैं, जो पर्यावरण की स्वच्छता के लिए एक बड़ा संकट है।

खेतों में कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग न केवल मिट्टी को जहरीला बना रहा है, बल्कि पक्षियों के स्वास्थ्य और उनकी प्रजनन क्षमता को भी नष्ट कर रहा है। जलस्रोतों के सूखने और आर्द्रभूमि के सिमटने से हजारों मील की यात्रा कर आने वाले प्रवासी पक्षियों के मार्ग और उनके पड़ाव पूरी तरह बदल गए हैं। तकनीक के इस युग में हमें यह समझना होगा कि पक्षी संरक्षण का अर्थ केवल उन्हें दाना डालना भर नहीं है, बल्कि उनके लिए एक सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त वातावरण तैयार करना है। हमें अपने शहरी नियोजन में बर्ड फ्रेंडली आर्किटेक्चर को शामिल करना होगा और अधिक से अधिक देशी वृक्ष लगाने होंगे ताकि उन्हें प्राकृतिक आवास मिल सके। पक्षी दिवस हमें याद दिलाता है कि इस धरती पर जितना अधिकार मनुष्यों का है, उतना ही इन मूक प्राणियों का भी है, ऐसा नहीं है कि हम इस प्रकृति को अपनी बपौती मानकर बेजुबान पशु पक्षियों पर क्रूरतापूर्ण अत्याचार करें '

पक्षी बायोलॉजिकल इंडिकेटर होते हैं; उनकी घटती संख्या इस बात का स्पष्ट संकेत है कि हमारा पर्यावरण अब हमारे लिए भी स्वस्थ नहीं रह गया है। नीले आकाश में निर्भय उड़ते पक्षी स्वतंत्रता और जीवंतता के सबसे सुंदर प्रतीक हैं, जो हमें सीमाओं से परे जाकर सोचने की प्रेरणा देते हैं। यदि हम आज भी प्लास्टिक के उपयोग और शोरगुल वाले प्रदूषण को कम नहीं करते, तो वह दिन दूर नहीं जब पक्षियों का मधुर कलरव केवल डिजिटल रिकॉर्डिंग में ही सुनने को मिलेगा।

बर्डमैन ऑफ इंडिया सलीम अली जैसे महान व्यक्तित्वों ने जो राह दिखाई थी, उस पर चलते हुए हमें प्रत्येक नागरिक को पक्षी मित्र बनाना होगा। स्कूलों में बच्चों को पक्षी दर्शन और उनके महत्व के बारे में शिक्षित करना अनिवार्य है, ताकि नई पीढ़ी में प्रकृति के प्रति संवेदना विकसित हो सके। 5 जनवरी का यह संकल्प केवल एक दिन का औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि एक स्थायी व्यवहार होना चाहिए। नदियों का पुनरुद्धार और जंगलों की रक्षा ही पक्षियों के लिए वास्तविक वरदान साबित होगी। अंततः, हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम प्रकृति के स्वामी नहीं बल्कि उसका एक छोटा सा हिस्सा हैं। क्षितिज पर उड़ते ये पंख केवल आकाश की शोभा नहीं, बल्कि हमारे जीवित होने का प्रमाण हैं। विकास की ऊँची उड़ान भरते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जिस दिन परिंदों का कलरव मौन हो जाएगा, उस दिन प्रकृति का संगीत भी थम जाएगा। आइए, हम सब मिलकर उनकी स्वतंत्रता और आवास की रक्षा का संकल्प लें, क्योंकि पक्षियों का सुरक्षित होना ही पृथ्वी के सुंदर भविष्य की पहली शर्त है। जब तक नीला गगन उनकी चहचहाहट से गूंजता रहेगा, जब तक आकाश में पक्षियों के झुंड निर्भय होकर उड़ते रहेंगे, तभी तक यह पृथ्वी रहने योग्य और संतुलित बनी रहेगी। पक्षियों का संरक्षण करना वास्तव में स्वयं के अस्तित्व को बचाने की एक अनिवार्य कवायद है। (लेखक पत्रकार हैं) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बदलते समाज, कानून और अपराध की नई तस्वीर

कांतिलाल मांडोत

भारतीय जेलों में महिला कैदियों की संख्या में आई तेज बढ़ोतरी केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज, कानून व्यवस्था और सामाजिक संरचना में आए गहरे बदलावों का संकेत है। हाल में जारी इंस्टीट्यूट फॉर क्राइम एंड जस्टिस पॉलिसी रिसर्च आईसीपीआर की रिपोर्ट वर्ल्ड फीमेल इम्प्रिजनमेंट लिस्ट बताती है कि पिछले दो दशकों में भारतीय जेलों में महिलाओं की संख्या पुरुषों और सामान्य जनसंख्या की तुलना में दोगुनी रफ्तार से बढ़ी है। वर्ष 2000 में जहां महिला कैदियों की संख्या 9,089 थी, वहीं 2022 तक यह बढ़कर 23,772 हो गई। यह 162 प्रतिशत की वृद्धि है, जबकि इसी अवधि में पुरुष कैदियों की संख्या 77 प्रतिशत बढ़ी और देश की कुल आबादी में लगभग 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

यह स्थिति अपने आप में कई सवाल खड़े करती है। क्या महिलाएं पहले की तुलना में ज्यादा अपराध करने लगी हैं, या फिर कानून और समाज की नजर महिलाओं पर पहले से अधिक सख्त हो गई है। क्या यह बदलाव महिलाओं की बढ़ती स्वतंत्रता और सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी का अनचाहा परिणाम है, या फिर सामाजिक-आर्थिक दबावों का असर है। इन सवालों के जवाब तलाशना जरूरी है, क्योंकि महिला अपराध और महिला कैदियों की बढ़ती संख्या समाज के स्वास्थ्य का आईना होती है।

स्वतंत्रता के बाद के शुरूआती दशकों में भारतीय समाज की संरचना अपेक्षाकृत पारंपरिक थी। महिलाओं की भूमिका मुख्य रूप से घर-परिवार तक सीमित मानी जाती थी। शिक्षा और रोजगार में उनकी भागीदारी सीमित थी और सार्वजनिक जीवन में उनकी मौजूदगी कम दिखाई देती थी। उस दौर में महिला अपराध की घटनाएं कम थीं और जो मामले सामने आते भी थे, वे अधिकतर घरेलू विवाद, पारिवारिक झगड़े या परिस्थितिजन्य अपराधों से जुड़े होते थे। समाज और कानून दोनों ही महिलाओं को अपराधी के रूप में देखने से कतराते थे। यह धारणा प्रचलित थी कि महिला अपराध स्वभाव से नहीं, बल्कि मजबूरी या किसी पुरुष के प्रभाव में होता है।

न्यायिक व्यवस्था में भी महिलाओं के प्रति एक प्रकार की नरमी देखने को मिलती थी। जमानत, सजा और विचाराधीन मामलों में महिलाओं को अक्सर राहत मिल जाती थी। सामाजिक सोच यह मानती थी कि महिला को सुधार की जरूरत है, न कि कठोर दंड की। यही वजह थी कि महिला कैदियों की संख्या लंबे समय तक सीमित रही।

लेकिन इक्कीसवीं सदी के साथ भारत तेजी से बदला। शहरीकरण, औद्योगीकरण और वैश्वीकरण ने सामाजिक ढांचे को नई दिशा दी। महिलाएं शिक्षा, रोजगार, व्यापार और राजनीति में आगे बढ़ीं। उन्होंने घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर आर्थिक और सामाजिक जिम्मेदारियां संभालीं। यह बदलाव सकारात्मक था और आज की महिला पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनी। लेकिन इसी बदलाव के साथ अपराध की दुनिया का स्वरूप भी बदला और महिलाओं की भूमिका उसमें बढ़ने लगी।

आईसीपीआर रिपोर्ट के अनुसार, आज महिलाएं संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी, आर्थिक अपराध और साइबर अपराध जैसे मामलों में अधिक संख्या में सामने आ रही हैं। यह बदलाव दर्शाता है कि अपराध अब केवल हाशिए पर खड़े लोगों की मजबूरी नहीं रहा, बल्कि एक संगठित और नेटवर्क आधारित गतिविधि बन चुका है। इन नेटवर्कों में महिलाओं को कम संदेहास्पद मानकर इस्तेमाल किया जाता है, जिससे वे अपराध के जाल में फंस जाती हैं।

इसके साथ ही न्यायिक रुझान में भी बड़ा बदलाव आया है। कानून के सामने समानता के सिद्धांत को अधिक सख्ती से लागू किया जा रहा है। अब महिला और पुरुष अपराधियों के बीच भेदभाव कम हुआ है। जहां पहले महिला होने के कारण राहत मिल जाती थी, वहीं अब अपराध की प्रकृति के आधार पर सजा तय की जा रही है। यह समानता जरूरी है, लेकिन इसका असर आंकड़ों में महिला कैदियों की संख्या बढ़ने के रूप में भी दिख रहा है।

महिला अपराध के पीछे कई सामाजिक और आर्थिक कारण काम कर रहे हैं। तेजी से बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और असमान विकास ने समाज के कमजोर वर्गों पर दबाव बढ़ाया है। महिलाएं, खासकर शहरी झुग्गियों और ग्रामीण इलाकों की महिलाएं, आर्थिक तंगी से जूझ रही हैं। रोजगार के सीमित अवसर और कम आय उन्हें अवैध गतिविधियों की ओर धकेल देते हैं। कई मामलों में महिलाएं अपराध की मुख्य योजनाकार नहीं होतीं, बल्कि किसी बड़े गिरोह का हिस्सा बन जाती हैं।

पारिवारिक और सामाजिक टूटन भी एक बड़ा कारण है। संयुक्त परिवारों का विघटन, घरेलू हिंसा, तलाक और अकेलेपन ने महिलाओं को मानसिक रूप से कमजोर किया है। कई महिलाएं अपने अस्तित्व और सुरक्षा के लिए गलत रास्ते चुन लेती हैं। इसके अलावा शिक्षा और कानूनी जागरूकता की कमी भी महिला अपराध को बढ़ावा देती है। कई बार महिलाएं यह समझ ही नहीं पातीं कि वे जिस गतिविधि में शामिल हैं, वह गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है।

हाल के वर्षों में बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ सघन अभियानों के कारण भी महिला कैदियों की संख्या बढ़ी है। अनुमान के अनुसार, केवल पश्चिम बंगाल की जेलों में 358 बांग्लादेशी महिलाएं कैद हैं। यह स्थिति सीमा सुरक्षा, अवैध प्रवासन और मानव तस्करी जैसे मुद्दों को भी उजागर करती है। इन महिलाओं में से कई तस्करी का शिकार होती हैं, लेकिन कानून की नजर में वे अपराधी बन जाती हैं।

महिला कैदियों की बढ़ती संख्या ने जेल प्रशासन के सामने भी नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। पुरुष प्रधान जेल व्यवस्था महिलाओं की विशेष जरूरतों को पूरा करने में अभी भी पीछे है। गर्भवती महिला कैदियों, बच्चों के साथ रहने वाली महिलाओं, मानसिक स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसी समस्याएं गंभीर रूप ले रही हैं। जेलों में पुनर्वास और सुधार की व्यवस्था कमजोर होने के कारण कई महिलाएं जेल से बाहर आने के बाद फिर से अपराध की दुनिया में लौट जाती हैं।

इस समस्या का समाधान केवल सख्त कानून या ज्यादा जेलें बनाकर नहीं निकाला जा सकता। महिला अपराध को समझने के लिए हमें समाज की जड़ों तक जाना होगा। महिलाओं के लिए स्थायी रोजगार, कौशल विकास और आर्थिक सशक्तिकरण बेहद जरूरी है। जब महिलाओं के पास सम्मानजनक आजीविका के साधन होंगे, तो वे अपराध की ओर कम आकर्षित होंगी। इसके साथ ही कानूनी जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है, ताकि महिलाएं अनजाने में अपराध का हिस्सा न बनें।

संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी में महिलाओं का इस्तेमाल करने वाले गिरोहों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। महिलाओं को मोहरे की तरह इस्तेमाल करने वालों को कानून का कड़ा संदेश मिलना जरूरी है। जेलों में भी सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा। शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और मानसिक स्वास्थ्य परामर्श के जरिए महिला कैदियों को समाज की मुख्यधारा में लौटने का अवसर देना होगा।

आज की महिला पहले की महिला से अलग है। वह अधिक शिक्षित, अधिक स्वतंत्र और अधिक मुखर है। लेकिन यह बदलाव तभी सार्थक होगा, जब समाज और व्यवस्था उसके साथ कदम से कदम मिलाकर चले। महिला कैदियों की बढ़ती संख्या हमें चेतावनी देती है कि विकास के साथ-साथ सुरक्षा और संवेदनशीलता भी जरूरी है। अगर हम इस चुनौती को समय रहते नहीं समझे, तो यह समस्या और गहरी होती जाएगी।

अंततः महिला अपराध और महिला कैदियों की बढ़ती संख्या को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव के संकेत के रूप में देखना होगा। दंड से पहले समझ और जेल से पहले समाधान की सोच अपनानी होगी। तभी समाज सच मायनों में प्रगतिशील और न्यायपूर्ण बनेगा।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, स्तम्भकार)

वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले से उठा सवाल, क्या ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों को ताक पर रख दिया है?

अमेरिका ने वेनेजुएला पर सैन्य आक्रमण कर उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार करने का दावा किया है। यह अंतरराष्ट्रीय जगत में एक संवेदनशील और ऐतिहासिक घटनाक्रम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ बड़े पैमाने पर हवाई और सैन्य हमले किये हैं। ट्रंप ने कहा है कि मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लिया गया है तथा देश से निकाल दिया गया है और वे अगली कानूनी प्रक्रिया के लिये अमेरिका ले जाये गये हैं। इस कार्रवाई को ट्रंप ने अपनी योजना के मुताबिक सफल बताया है तथा इसे वेनेजुएला में लोकतंत्र की बहाली की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया है। हालांकि हमले के विवरण और ठोस प्रमाण अभी तक सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं कराये गये हैं।

वहीं वेनेजुएला सरकार ने इसे अमेरिकी सैन्य आक्रमण तथा आंतरिक संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। साथ ही वेनेजुएला में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की गयी है तथा नागरिकों से व्यापक विरोध और प्रतिरोध की अपील की गयी है। इस बीच, विश्व समुदाय के कई देश इस घटना पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, कुछ ने इसे कूटनीति की आवश्यकता बताया है जबकि रूस, चीन तथा अन्य ने कड़ी निंदा की है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वेनेजुएला पर की गयी सैन्य कार्रवाई तथा एक संप्रभु राष्ट्र के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी का दावा विश्व व्यवस्था के लिये एक भयंकर झटका है। यह केवल एक सैन्य और राजनीतिक घटना नहीं है बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून, कूटनीति और विश्वशांति के मूल सिद्धांतों पर सीधा प्रहार है। जब किसी देश का नेता बिना संयुक्त राष्ट्र के अनुरोध, बिना स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय विधिक अधिकरण के निर्देश और बिना अन्तरराष्ट्रीय समुदाय की सहमति के किसी दूसरे देश में सैन्य हस्तक्षेप कर उसके सर्वोच्च नागरिक नेतृत्व को हटा देता है तो यह कृत्य न केवल उन मूलभूत मानकों का उल्लंघन है जिन पर आधुनिक विश्व राजनीति टिकी हुई है बल्कि यह नए वैश्विक संकटों के लिये एक मिसाल भी स्थापित करता है। पहला सवाल यह है कि क्या ट्रंप का कदम जायज है? क्या ऐसा किसी भी न्यायिक या राजनीतिक मानक पर सही ठहराया जा सकता है? देखा जाये तो संप्रभुता किसी भी वैश्विक समझ का मूल आधार है और किसी भी देश की आंतरिक व्यवस्थाओं के प्रति बाहरी हस्तक्षेप को तभी वैध ठहराया जा सकता है जब वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के भीतर व्यापक बहुमत द्वारा अनुमोदित हो या जब प्रत्यक्ष एवं सुनिश्चित मानवाधिकार संकट हो। नरसंहार या बड़े पैमाने पर युद्ध अपराध की स्थितियों में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ऐसी स्वीकृति मिल सकती है लेकिन वेनेजुएला में ऐसे कोई हालात नहीं थे। वेनेजुएला की परिस्थिति चाहे जितनी भी विवादास्पद और जटिल रही हो, अमेरिका का यह एकतरफा सैन्य निर्णय अंतरराष्ट्रीय कानून तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल सिद्धांतों के सीधे विपरीत है। इसे केवल एक देश के भीतर मानवीय संकट या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के समाधान के रूप में पेश करना नास्तिकता के समान है। ट्रंप प्रशासन के पास यदि मादुरो के खिलाफ वाकई मजबूत सबूत थे तो उन्हें अंतरराष्ट्रीय न्यायालय या किसी बहुपक्षीय मंच पर प्रस्तुत किया जाना चाहिये था न कि अपने देश की सैन्य ताकत का उपयोग कर सीधे हस्तक्षेप करना चाहिए था।

दूसरा सवाल यह है कि क्या कूटनीति की दुनिया में इस कदम को उचित कहा जा सकता है? देखा जाये तो कूटनीति वैचारिक मतभेदों, राजनीतिक तनावों तथा सत्ता के संघर्षों को बातचीत, समझौते और मध्यस्थता के जरिये सुलझाने की कला है। कूटनीति कभी प्रत्यक्ष हिंसात्मक उपायों को प्रोत्साहित नहीं करती। यदि अमेरिका को वास्तव में वेनेजुएला की वर्तमान प्रणाली में विसंगतियाँ और समस्यायें दिखतीं थीं तो उसके लिये संयुक्त राष्ट्र, ओएएस या किसी अन्य बहुपक्षीय संगठन के साथ मिलकर दबाव बनाना अधिक न्यायोचित और प्रभावी विकल्प होता। इसलिए ट्रंप प्रशासन का यह कदम कूटनीति की भावना का उल्लंघन है और यह उन सभी प्रयासों को भी बेअसर करता है जो शांति, संयम और सामूहिक समाधान की ओर इंगित करते हैं। जब राजनयिक रास्ता खुला रहता है तो हवाई हमले, बमबारी और अस्थिरता फैलाने वाले कदम किसी भी सभ्य कूटनीतिक प्रणाली का अंग नहीं बन सकते।

अब तीसरा सवाल यह है कि आगे वेनेजुएला का क्या होगा? देखा जाये तो उस देश का एक अस्थिर भविष्य बेहद संभावित है। हिंसात्मक कार्रवाई के परिणामस्वरूप वेनेजुएला के भीतर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ और भी भयावह हो सकती हैं। यह देश पहले ही आर्थिक मंदी, मुद्रास्फीति तथा सामाजिक असंतोष का शिकार है, ऐसे में एक बाहरी सैन्य हमले से जनता का मनोबल गिर सकता है, नागरिक प्रतिरोध भड़क सकता है तथा आंतरिक संघर्ष और अधिक गहरा हो सकता है। इसके अलावा यह कदम लैटिन अमेरिका में क्षेत्रीय स्थिरता को भी दहला सकता है और पड़ोसी देशों को संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने को मजबूर कर सकता है।

चौथा सवाल अंतरराष्ट्रीय सामरिक प्रभावों से संबंधित है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप की यह नीति, वैश्विक सामरिक संतुलन पर लंबी अवधि में गंभीर प्रभाव डाल सकती है। ट्रंप द्वारा ईरान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करते हुए धमकी देना और अब वेनेजुएला पर प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप जैसे कदम यह संकेत देते हैं कि अमेरिका एक ऐसा वैश्विक प्रहरी बनने की इच्छा रखता है जो अपने हितों को थोपने के लिये सैन्य बल का उपयोग करता है यह विश्व को दोध्रुवीकृत कर सकता है। निश्चित ही यह सब अमेरिका की विरोधी शक्तियों को एकजुट करने का काम करेगा। रूस, चीन और अन्य राष्ट्र पहले ही अमेरिका के इस कदम की निंदा कर चुके हैं तथा इसे सामरिक आक्रमण बता रहे हैं। देखा जाये तो वैश्विक सुरक्षा तंत्र पहले से ही तनावों और विभाजनों से जूझ रहा है, ऐसे में एक प्रमुख सुपरपावर द्वारा एक संप्रभु राष्ट्र के खिलाफ हमला करना वैश्विक शासन और सहयोग के लिये एक गंभीर प्रश्न छोड़ता है।

देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय न्याय और मानवाधिकार का सम्मान केवल शब्दों में नहीं होना चाहिए बल्कि उसे कार्यनीतिक फैसलों और कार्रवाईयों में भी प्राथमिकता दी जानी चाहिये। एक अनियंत्रित और एकतरफा सैन्य कार्रवाई का समर्थन करना दीर्घकालीन वैश्विक स्थिरता, शांति तथा न्याय की भावना के खिलाफ होगा। ट्रंप के इस निर्णय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मनमाने ढंग से सेना, हथियार तथा सैन्य बल की धमकी का प्रयोग अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और सहयोग को कमजोर करता है तथा विश्व समुदाय के विश्वास को तोड़ता है। इसलिए वर्तमान परिस्थिति में वैश्विक समुदाय को संयम, संवाद और न्यायिक प्रक्रिया की ओर लौटना चाहिए तभी हम एक बेहतर, अधिक सुरक्षित और अधिक न्यायसंगत विश्व की कल्पना कर सकते हैं।

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

धनौरा व बछरायूं में एसडीएम ने किया रैन बसेरों का निरीक्षण,जांची व्यवस्थाएं

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा व बछरायूं में एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने रैन बसेरों का औचक निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने रैन बसेरों में ठंड से बचाव की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। यह निरीक्षण शीत लहर के चलते पड़ रही कड़ाके की ठंड के चलते राहत कार्यों का जायजा लेने के उद्देश्य से किया गया। बता दें कि रविवार को निरीक्षण के दौरान उपजिला अधिकारी विभा श्रीवास्तव ने सार्वजनिक स्थलों पर जलाई जा रही अलाव की स्थिति का जायजा लिया उन्होंने लकड़ी की उपलब्धता और ठंड से बचाव के लिए की गई अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की ,इसके बाद उन्होंने नगर पालिका द्वारा संचालित रैन बसेरों का निरीक्षण किया, यहां उन्होंने जरूरतमंदों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया और साफ सफाई की स्थिति पर भी विशेष ध्यान देते हुए कर्मचारियों को निर्देशित किया । उपजिलाधिकारी ने रैन बसेरों के केयरटेकर को नियमित स्वच्छता बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए ,उन्होंने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार के लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी साथ ही यहां पर ठहरने वाले लोगों को कंबल, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा उपजिला अधिकारी ने जोर देकर कहा कि शासन के निर्देश अनुसार ठंड से बचाव के लिए की गई व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी ,उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को अलाव नियमित रूप से जलाए रखने और जरूरतमंदों तक राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने बताया कि शीतकाल के दौरान इस प्रकार के निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके की कोई जरूरतमंद व्यक्ति ठंड के कारण परेशान ना हो।

राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ताओं ने किया गोष्ठी का आयोजन

हसनपुर /अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को राष्ट्र सेवी संगठन द्वारा गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ताओं ने भी प्रतिभाग किया। गोष्ठी के दौरान हसनपुर में अतरासी अड्डे के पास हैराहगीरों को ठंड से बचाब के लिए चाय का वितरण किया गया। गोष्ठी में उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन एवं विधान सभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने केंद्र सरकार द्वारा विकसित भारत, जी राम जी योजना द्वारा ग्रामीण रोजगार के दिन की सीमा सौ दिन से बढ़कर एक सौ पच्चीस दिन किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। इसके लिए प्रधान मंत्री का आभार व्यक्त किया गया। शर्मा ने कहा कि गांव में रोजगार मिलने से रोजगार की तलाश में शहरों की ओर होने वाले पलायन में कमी आएगी। महिलाओं को भी रोजगार मिलने से उनकी स्थिति मजबूत होगी। देश में आमजन के बीच बढ़ती स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग की भावना से रोजगार के अवसर बढ़ने से आम जन जीवन एवं देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस अवसर पर उपस्थित भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा ने कहा कि कमीशन खोरी एवं रिश्वत खोरी के चलते आम जीवन एवं विकास कार्य पर गलत असर पड़ रहा है। बार बार कार्यवाही किए जाने के बाद भी रिश्वत खोरी में कोई कमी नहीं आई है। इस पर अंकुश लगाया जाए।इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, भाजपा जिला महामंत्री अभिनव कौशिक, पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य चंद्रपाल खड़गवंशी, प्रांत मंत्री महिपाल सिंह, मोनू अग्रवाल, लाखन सिंह, हरिराज सिंह, रूपचंद चौहान, टेकचंद चौहान, धर्मपाल सिंह, अनिल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

भैरो जति महाराज सखी सरवर पीर मेले की तैयारियां पूरी, आज से शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना रजबपुर क्षेत्र अंतर्गत गांव हाकमपुर में प्रसिद्ध भैरो जति महाराज सखी सरवर पीर मेला इस वर्ष आज से शुरू होगा। यह मेला श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां भैरो जति महाराज और सखी सरवर पीर (लखदाता पीर) की पूजा-अर्चना की जाती है। मेला 9 जनवरी 2026 तक चलेगा और इसका समापन भव्य रूप से होगा। मेले का शुभारंभ आज सुबह 4 बजे से प्रसाद और चढ़ावा चढ़ाने के साथ होगा। इस दौरान उत्तर प्रदेश सहित पड़ोसी राज्यों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। मेला क्षेत्र में आस्था का माहौल देखते ही बनता है, जहां लोग मनौती मांगने और पूरी होने पर चढ़ावा चढ़ाने आते हैं। मेले में झूले, और विभिन्न खेल-तमाशों का आयोजन किया गया है, जिससे बच्चे से लेकर बड़े तक मेले का पूरा आनंद ले सकें। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी दुकानें लग चुकी हैं। यहां पकौड़ी, जलेबी, चाट-पकौड़ी, मिठाइयां और अन्य व्यंजनों की दुकानों से मेले की रौनक बढ़ी हुई है। मेले में खरीदारी के लिए भी कपड़े, बर्तन, खिलौने और हस्तशिल्प की दुकानें सजी हैं। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी से तैनात रहेगा और सीसीटीवी कैमरों से पूरे मेले क्षेत्र पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। यह मेला स्थानीय स्तर पर 'मिनी कुंभ' के रूप में भी जाना जाता है, जहां धार्मिक आस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक और मनोरंजन का अनोखा संगम देखने को मिलता है। श्रद्धालु गंगा स्नान और पूजा-अर्चना में लीन होकर मेले का पुण्य लाभ उठाते हैं।

नींद, थकान की अवस्था में ना चलायें वाहनः- ए.आर.टी.ओ महेश शर्मा

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में सड़क सुरक्षा माह के चौथे दिन परिवहन विभाग ने जागरूकता अभियान जारी रखा। बंबूगढ़ स्थित रोडवेज बस स्टैंड पर रोडवेज चालकों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें नींद और थकान से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर जोर दिया गया।एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा ने चालकों को संबोधित करते हुए कहा कि लंबे समय तक वाहन चलाने से दिमाग का एक हिस्सा सोने लगता है, जिससे दुर्घटना का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने सलाह दी कि लंबी दूरी की यात्राओं में दो ड्राइवर अनिवार्य रूप से होने चाहिए ताकि थकान से बचा जा सके।एआरटीओ हरिओम ने बताया कि यदि चालक घरेलू कामों या मेहनत से थका हुआ ड्यूटी पर आता है, तो उसका दिमाग सड़क पर सही निर्णय नहीं ले पाता। ऐसे में दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने चालकों से आग्रह किया कि थकान या अस्वस्थता की स्थिति में छुट्टी ले लें और पूरी तरह स्वस्थ होने पर ही वाहन चलाएं। समाजसेवी अनिल जग्गा ने भावुक अपील करते हुए कहा कि जीवन से महत्वपूर्ण नौकरी कुछ नहीं। घरेलू तनाव को कार्यस्थल पर हावी न होने दें, क्योंकि एक गलती से सब कुछ खत्म हो सकता है। कार्यक्रम में यातायात पुलिस के टीएसआई दिनेश कुमार, एआरएम केसी गौड़, नाजिर तथा कई चालक उपस्थित रहे। यह अभियान चालकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा।

धनौरा की सड़कों पर सरपट दौड़ते ओवर लोड ट्रक बड़े हादसों को दे रहे दावत,पुलिस बनी मूकदर्शक

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में ओवरलोड ट्रक बड़े हादसे को दावत दे रहे हैं। धनौरा की सड़कों पर गन्नों से ठसा-ठस भरे हुए ये ओवरहाइट ट्रक जब तक सड़क पर चलते हैं तब तक बड़े हादसों को दावत देते हैं और ऐसे मामले उन क्षेत्रों में अधिक देखने को मिलते हैं जहां पर आसपास में गन्नों के मील स्थापित होते हैं। बता दें कि थाना मंडी धनौरा में भी नगर की सड़कों पर ऐसे ही दृश्य देखने को मिले। जहां पर गन्नों से ठसा ठस भरे हुए ट्रक सड़कों पर दौड़ते नजर आए, हैरानी की बात तो यह है कि पुलिस प्रशासन की नाक के नीचे से यह ट्रक चालक बैखौफ होकर निकल जाते हैं और पुलिस मूकदर्शक बनकर यूं ही देखती रहती है, जैसे इन ओवरलोड ट्रकों से इनका कोई लेना देना ही नहीं है और तो और यह ट्रक चालक पूरी सड़क को ऐसे घेर कर चलते हैं जैसे पूरी सड़क इन्होंने अपने नाम करा रखी हो। इनके पीछे चलने वाले अन्य वाहन चालक डर की वजह से इन्हें जल्दी से ओवरटेक भी नहीं कर पाते। इन तस्वीरों में आप खुद ही देख सकते हैं कि किस तरह से ओवरलोड ट्रक सड़क पर चलता हुआ दिख रहा है और पीछे अन्य वाहन इसे ओवरटेक करने का इंतजार कर रहे हैं। इतना ही नहीं इस ट्रक चालक ने पीछे की तरफ कोई सांकेतिक लाल चिन्ह भी नहीं लगा रखा है। इसके अलावा यह भारी वाहन हादसों को तो दावत देते ही है वरन सड़कों की आयु को भी कम करते हैं। प्रशासन यदि इनकी नापतोल करे तो ऐसे ट्रैकों में मानक के विपरीत ही माल भरा जाता है। लेकिन यहां तो शासन और प्रशासन दोनों ही इन्हें देखकर आंखें बंद कर लेते हैं जिस वजह से इन पर कोई कार्यवाही नहीं हो पाती।

इंस्पेक्टर के बेटे पर चढ़ा स्टंट का भूत,हाईवे 9 के डिवाइडर पर चढ़ाकर दौड़ाई थार

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कार को किया गया सीज

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर कोतवाली के नेशनल हाईवे 9 पर एक इंस्पेक्टर के बेटे को स्टंट करने का भूत चढ़ा और उसने अपनी थार कार को नेशनल हाईवे 9 की सर्विस रोड के डिवाइडर पर चढ़ाकर तेज रफ्तार में खूब दौड़ाया। ऐसा करने से उसने अपने साथ-साथ अन्य राहगीरों की जान को भी जो कि में डाल दिया। लेकिन गनीमत यह रही कि कोई हादसा नहीं हुआ। इस खतरनाक स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया वायरल हो गया जिसमें कार चालक अपनी कार को डिवाइडर पर चढ़ाकर तेज रफ्तार में दौड़ाता नजर आया। इस मामले में जब पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की तो सामने आया की थार चल रहा युवक विवेक उत्तर प्रदेश पुलिस में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात सतीश यादव का बेटा है जो वर्तमान में बरेली में तैनात है ,वीडियो वायरल होने के बाद मामला और भी संवेदनशील हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद अमरोहा एसपी अमित कुमार आनंद ने तत्काल संज्ञान लेते हुए पुलिस अधिकारियों को कार्यवाही के निर्देश दिए। मामले की जानकारी मिलते ही योगी सरकार की जीरो टोलरेंट नीति के तहत पुलिस हरकत में आई और कुछ ही देर में युवक को थार गाड़ी सहित हिरासत में ले लिया गया।इस मामले में पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्यवाही करते हुए युवक को फटकार लगाते हुए कानून का पाठ पढ़ाया। पुलिस की कार्यवाही के बाद कार चालक विवेक ने हाथ जोड़कर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और कहा कि उससे गलती हो गई है पुलिस ने नियमों का उल्लंघन मानते हुए थार गाड़ी को सीज कर दिया है और आगे की वैधानिक कार्यवाही जुट गई है। इस मामले को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने साफ कहा है कि कानून सबके लिए समान है चाहे आरोपी किसी भी पद पर तैनात अधिकारी का रिश्तेदार हो या सगा संबंधी हो। युवक को दोबारा ऐसी हरकत करने पर सख्त कार्रवाई करने की हिदायत दी गई है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे पर पहले भी इस तरह के खतरनाक स्टंट देखे गए हैं ,प्रशासन द्वारा इन पर कार्यवाही न होने पर स्टंट करने वालों के हौसले बुलंद है। इस खतरनाक स्टंट वाली वायरल वीडियो को देखने के बाद लोगों में आक्रोश भी देखने को मिला है

पुलिस व पालिका टीम ने चलाया अतिक्रमण के खिलाफ अभियान

अमरोहा :पुलिस व पालिका की टीम ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। यातायात में बाधा उत्पन्न कर रहे ठेले, ई रिक्शा, रेहड़ी आदि को हटवाया। दुकानों व प्रतिष्ठानों के आगे रखे सामान को हटवाया। शनिवार शाम पालिका व पुलिस की टीम ने इंस्पेक्टर मनोज कुमार के नेतृत्व में संयुक्त रूप से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। सबसे पहले इंदिरा चौक से बस्ती मार्ग तक का अतिक्रमण हटवाया गया। जिन दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठानों व दुकानों के आगे सामान रखे हुए थे, उनको हटवाया। इसके बाद हसनपुर रोड पर अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया गया। इंस्पेक्टर ने हिदायत दी कि अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके कारण सड़क संकरी हो जाती है। वाहनों को निकलने में परेशानी होती है। जाम तक लग जाता है।

माता सावित्रीबाई फुले जन्मदिवस पर समारोह का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- भारत की प्रथम महिला शिक्षिका एवं समाज सुधारक माता सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर शहर के एक निजी बैंक्वेट हॉल में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष शशि जैन उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाते हुए माता सावित्रीबाई फुले जन्मोत्सव समिति के संस्थापक हरी सिंह मौर्य, चेयरमैन राजकुमार अरुण, करतार सिंह तथा अन्य पदाधिकारियों की भूमिका रही। समारोह की शुरूआत माता सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्पांजलि एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करने से हुई। सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों ने एक स्वर में उन्हें नमन किया। इसके बाद कार्यक्रम में माता सावित्रीबाई फुले के जीवन संघर्षों एवं योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने बताया कि सावित्रीबाई फुले ने उस दौर में जब महिलाओं की शिक्षा को समाज में नकारा जाता था, तब उन्होंने पति महात्मा ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर पुणे में पहली बालिका विद्यालय की स्थापना की। उन्होंने जातिगत भेदभाव, अंधविश्वास एवं महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ जीवनभर संघर्ष किया। उनके प्रयासों से ही महिला शिक्षा की नींव मजबूत हुई और समाज में समानता की अलख जगी।कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए समिति के पदाधिकारियों ने गरीब, असहाय एवं बुजुर्गों को कंबल वितरित किए। इस नेक कार्य से मौके पर उपस्थित लोगों ने समिति की सराहना की। मुख्य अतिथि शशि जैन ने अपने संबोधन में कहा कि सावित्रीबाई फुले का जीवन आज भी महिलाओं एवं वंचित वर्गों के लिए प्रेरणा स्रोत है। हमें उनके आदर्शों पर चलकर समाज को शिक्षित एवं सशक्त बनाना चाहिए।समारोह में बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सभी ने सावित्रीबाई फुले के विचारों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया। इस तरह का आयोजन न केवल उनकी स्मृति को जीवंत रखता है बल्कि समाज में शिक्षा एवं समानता के प्रसार के लिए महत्वपूर्ण साबित होता है।

8 जनवरी को महिला उत्पीड़न के प्रकरणों का होगा समाधान

अमरोहा (सब का सपना):- जिला प्रोबेशन अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीडन की रोकथाम एवं पीडित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने तथा आवेदक / आवेदिकाओं को सुगमता की दृष्टि से प्रदेश के विभिन्न जनपदों के स्थानीय गेस्ट हाउसो / सर्किट हाउस में सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी की ओर से नामित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अथवा उनकी ओर से नामित वरिष्ठ जनपदीय पुलिस अधिकारी, महिला थानाध्यक्ष एंव सम्बन्धित थाने के क्षेत्राधिकारी के साथ जनपद अमरोहा में महिला उत्पीडन की घटनाओं की समीक्षा / महिला जनसुनवाई / निरीक्षण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद अमरोहा में माह जनवरी दिनांक 08 जनवरी 2026 को अपरान्ह 11;00 बजे विकास भवन सभागार कक्ष अमरोहा में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, संगीता जैन द्वारा, उपस्थित महिलाओ द्वारा प्रस्तुत नवीन प्रार्थना पत्रों पर महिला जनसुनवाई की जानी हैं। अतः आप सभी से अनुरोध है कि उक्त महिला जनसुनवाई में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्या का समाधान करायें।

सम्भल पुलिस की साइबर सेल ने गलत ट्रांसफर हुए एक लाख रुपये कराए वापस

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना हयातनगर क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा NEFT के दौरान गलती से गलत खाते में ट्रांसफर हो गए 1 लाख रुपये की मामले में पुलिस की साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सफलतापूर्वक जांच पूरी की। घटना 18 दिसंबर की है, जब मौहल्ला बारादरी सरायतरीन, थाना हयातनगर निवासी मुमताज आलम पुत्र इश्तियाक अहमद अपने बैंक खाते से दूसरे खाते में धनराशि ट्रांसफर कर रहे थे। खाता नंबर में एक अंक गलत होने के कारण कुल

1 लाख रुपये दो बार में गलत खाते में चले गए। इसकी शिकायत मुमताज आलम ने तुरंत एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही थाना हयातनगर की साइबर सेल टीम ने साइबर प्रभारी व उप निरीक्षक दिनेश कुमार के नेतृत्व में जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई, एएसपी (दक्षिणी) एवं नोडल साइबर क्राइम अनुकृति शर्मा IPS, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह तथा एएसपी/क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक कुमार भाटी क्ढर के कुशल निर्देशन में टीम ने गहन जांच की। जांच में पता चला कि गलती से ट्रांसफर हुई राशि मुकेश कुमार श्रीवास्तव पुत्र गोपाल लाल श्रीवास्तव, निवासी ग्राम गढवा बरगदवां, महाराजगंज के बैंक ऑफ इंडिया, शाखा सम्भल स्थित खाते में क्रेडिट हुई है। सम्भल पुलिस की साइबर सेल साइबर अपराधों की रोकथाम और पीड़ितों की मदद में सक्रिय भूमिका निभा रही है। ऐसे मामलों में त्वरित शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करती है। पुलिस ने जनता से अपील की है कि ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के दौरान खाता विवरण की अच्छी तरह जांच कर लें और किसी भी गड़बड़ी पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन या cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया संगठन का स्थापना दिवस

बदायूं (सब का सपना):- अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन (रजि.) का 9वां स्थापना दिवस इकाई बदायूं जिला कार्यालय पर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला अध्यक्ष योगेश पुरी व जिला महामंत्री सीमा खान ने संगठन इकाई के उपस्थित सभी पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ जिला कार्यालय गायत्री भवन, जवाहरपुरी सिविल लाइन बदायूँ पर केक काटकर संगठन का 09वां स्थापना दिवस मनाया। उपस्थित सभी पदाधिकारियों व कार्यकत्ताओं ने एक दूसरे को संगठन स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं और केक खिलाकर

मुँह मीठा कराया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष श्याम बिहारी, जिला महामंत्री सुनील यादव, जिला सचिव पंकज यादव, सतीश चंद्र गुप्ता, रामनिवास शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष कादरचौक खूब सिंह, ब्लॉक मेंबर नेत्रपाल सिंह, अनीता शर्मा, विनीता शर्मा, मीरा, अनुपम, सहाना, फरहीन खान, फरहा खान, लक्ष्मी, सोनी, विनीता गुप्ता आदि मौजूद रहीं।

संभल में बने 11000 मकान-दुकान पालिका के रिकॉर्ड से बाहर, सर्वे में सामने आया सच

संभल। हाल ही में पालिका ने शहर का एक सर्वे कराया था। जिसमें शुरूआती आंकड़े पालिका प्रशासन के लिए चौंकाने वाले हैं। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2012 में जहां नगर पालिका रिकार्ड में महज 30 हजार मकान दर्ज थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर करीब 41 हजार तक पहुंच गई है। इनमें से लगभग 8000 मकान ऐसे हैं, जो नए बने हैं और अभी तक कर दायरे में पूरी तरह शामिल नहीं हो पाए थे। सर्वे के बाद इन सभी भवनों को टैक्स नेटवर्क में लाने की तैयारी की जा रही है। बढ़ा हुआ राजस्व सीधे तौर पर शहर की मूलभूत सुविधाओं पर खर्च किया जाएगा। इसमें साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट, सड़कों की मरम्मत, नालों की सफाई और अन्य नागरिक सुविधाएं शामिल हैं। दरअसल, नगर पालिका द्वारा लंबे अंतराल के बाद दुकानों और मकानों का नया सर्वेक्षण कराया गया है। इस सर्वे का मुख्य उद्देश्य टैक्स वसूली के आधार को व्यापक बनाना और राजस्व संग्रहण में बढ़ोतरी करना है। मई 2026 से से कर की दरों में संशोधन के साथ-साथ वसूली प्रक्रिया को भी और सख्त किया जाएगा। वर्तमान में नगर पालिका की ओर से मकान कर, व्यवसायिक कर और जलकर के माध्यम से लगभग छह करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह किया जा रहा है। कर निर्धारण अधिकारी कार्तिक यादव का कहना है कि यदि वास्तविक आंकड़ों के आधार पर मकानों और दुकानों की सही गणना हो जाए तो यह राजस्व आसानी से दोगुना तक पहुंच सकता है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए इस बार सर्वेक्षण कार्य को पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ कराया गया है। नगर पालिका क्षेत्र का पिछला सर्वे वर्ष 2012 में हुआ था, जिसमें करीब 30 हजार मकान दर्ज थे। ताजा सर्वे में यह संख्या बढ़कर लगभग 41 हजार तक पहुंच गई है।

शिव मंदिर से चोरी हुए नौ घंटे बरामद, पुलिस ने दो अभियुक्त किए गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई क्षेत्र में शिव मंदिर से चोरी हुए नौ कांसे के घंटों का खुलासा मात्र तीन दिनों में हो गया। पुलिस के द्वारा चोरों को गिरफ्तार कर लिया तथा चोरी का माल भी बरामद कर लिया। एसपी कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन तथा अपर एसपी (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में ये कार्रवाई की गई। आपको बता दें घटना 28-29 दिसंबर की रात्रि की है, जब गांव कैशोपुर रसैटा स्थित शिव मंदिर

से अज्ञात चोरों ने छोटे-बड़े नौ कांसे के घंटे चुरा लिए थे। पीड़ित आकाश पुत्र स्व. सोहन सिंह निवासी कैशोपुर रसैटा ने 31 दिसंबर को थाना बहजोई में तहरीर देकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया। पुलिस ने तत्काल एक विशेष टीम गठित कर जांच शुरू कर दी। थाना बहजोई की पुलिस टीम ने गहन जांच व तकनीकी सहायता का सहारा लेते हुए चोरों का सुराग लगा लिया। बीते शुक्रवार को टीम ने थाना क्षेत्र से वांछित अभियुक्तों शौकीन उर्फ शानू पुत्र नसीर (30) तथा सौरभ ठाकुर पुत्र होराम सिंह (28) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपराध कबूल कर लिया तथा चोरी के घंटे भी बरामद हो गए। अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा रिमांड पर भेज दिया गया।

स्व. निशांत सिंह उर्फ शक्तिमान सिंह के शोक संतप्त परिजनों से मिले विधायक पीएन पाठक

संवाददाता

कुशीनगर। कुशीनगर विधायक पीएन पाठक कसया थाना क्षेत्र के ग्राम सभा नैका छपरा टोला अम्मरपुर निवासी स्व. निशांत सिंह उर्फ शक्तिमान सिंह के शोक संतप्त परिजनों से मिले और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने शोकाकुल परिजनों को हर संभव सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। विधायक पीएन पाठक ने स्पष्ट कहा कि इस जघन्य अपराध में संलिप्त सभी दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभियुक्तों पर कठोर से कठोर अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने के निर्देश भी दिए। दूरभाष पर जिला अधिकारी कुशीनगर से वार्ता कर हर संभव मदद दिलाने के लिए निर्देशित किया। विधायक पीएन पाठक ने कहा कि कार्रवाई ऐसा होगा की नजीर बन जायेगा उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि दंडात्मक प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि जनपद की शांति, सौहार्द और कानून- व्यवस्था को भंग करने वालों को कड़ा संदेश दिया जा सके। उन्होंने कहा कि कुशीनगर की शांतिपूर्ण सामाजिक परंपरा को बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की अराजकता को कदापि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अमरजीत कुशवाहा विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह आदित्य तिवारी सुनील कौशिक राजीव सिंह पवन दुबे संजीव सिंह शिबलू डिम्पल पांडेय अभिषेक पांडेय उर्फ मोनू पांडेय आदि मौजूद।

सड़क सुरक्षा माह में ट्रैफिक पुलिस का हेलमेट जागरूकता अभियान, वाहन चालकों को किया प्रेरित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस ने कलेक्ट्रेट सभागार के बाहर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के तहत दुपहिया वाहन चालकों को रोककर हेलमेट पहनने और खरीदने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के सख्त निदेर्शों पर आधारित यह कार्रवाई क्षेत्राधिकारी यातायात तथा यातायात प्रभारी दुष्यंत बालियान के नेतृत्व में संपन्न हुई। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आयोजित इस विशेष अभियान में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने सैकड़ों दुपहिया वाहनों की जांच की। चालकों को न केवल हेलमेट के महत्व के बारे में बताया गया, बल्कि उन्हें तत्काल हेलमेट खरीदने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया। अभियान के दौरान चालान काटने के बजाय जागरूकता पर जोर दिया गया, ताकि लोग स्वेच्छा से सुरक्षा नियमों का पालन करें। क्षेत्राधिकारी यातायात ने बताया, सड़क दुर्घटनाओं में हेलमेट न पहनना एक प्रमुख कारण है। इस अभियान के माध्यम से हम चालकों को सुरक्षित यात्रा का संदेश दे रहे हैं। एसपी साहब के निर्देशन में ऐसी कार्रवाइयां निरंतर जारी रहेंगी। यातायात प्रभारी दुष्यंत बालियान ने भी कहा कि बहजोई जैसे व्यस्त क्षेत्रों में ऐसी पहल से सड़क सुरक्षा में सुधार होगा। पुलिस प्रशासन की यह पहल स्थानीय लोगों द्वारा सराही गई। कई चालकों ने तत्काल हेलमेट खरीदकर अभियान का समर्थन किया। जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर चल रही यह मुहिम जन जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान, प्लास्टिक मुक्त समाज का दिया गया संदेश

संवाददाता

कुशीनगर। एडीजी गोरखपुर जोन के निर्देश पर रविवार को थाना चौरा खास के थानाध्यक्ष दिनेश साहनी के नेतृत्व में श्रीराम जानकी मंदिर, जौरा बाजार परिसर में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान मंदिर परिसर व आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। थानाध्यक्ष दिनेश साहनी ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं बल्कि हमारी दैनिक जिम्मेदारी है। धार्मिक व सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिए घातक है। इसलिए सभी लोग प्लास्टिक का प्रयोग कम करें और स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने में सहयोग दें। उन्होंने आमजन से अपील की कि कूड़ा निर्धारित स्थान पर ही डालें और पर्यावरण संरक्षण में पुलिस-प्रशासन का सहयोग करें। इस स्वच्छता अभियान में उपनिरीक्षक अनिल प्रजापति, देवीलाल, नफीस अहमद, अवनीश यादव, कांस्टेबल चंद्रमा मौर्य, दीपचंद चौहान एवं दिलीप चौरसिया उपस्थित रहे। वहीं ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शम्भू बरनवाल , राकेश साहनी, अंशुमान चतुर्वेदी, अरविंद मिश्र, अशोक उपाध्याय, हिमांशु शेखर श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, रामेश्वर सिंह, धीरज तिवारी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी सहभागिता की।

संभल में बहजोई हत्याकांड के खुलासे के करीब पहुंची पुलिस, हाथ लगे अहम सुराग

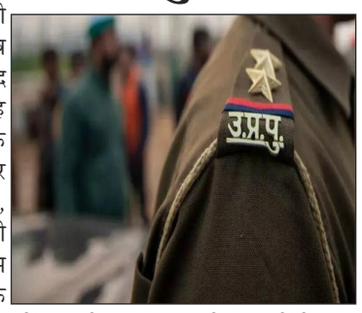

संभल। बहजोई में युवक की हत्या के मामले में पुलिस अब जांच के पदार्फाश के बेहद करीब पहुंच गई है और यह लगभग स्पष्ट हो चुका है कि घटना को किस वजह से और क्यों अंजाम दिया गया, हालांकि आरोपितों की गिरफ्तारी अभी शेष है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि इस हत्याकांड में शामिल आरोपितों का कनेक्शन अन्य पड़ोसी राज्यों से जुड़ा हो सकता है और लगातार दबिश के जरिए पुलिस उन्हें पकड़ने का प्रयास कर रही है। हत्यारोपितों की पहचान हो चुकी है और घटनाक्रम की सभी कड़ियां आपस में जुड़ चुकी हैं, लेकिन गिरफ्तारी के बाद ही पूरी स्थिति आधिकारिक रूप से स्पष्ट की जाएगी। विदित रहे कि 24 दिसंबर को बहजोई के चांदनी चौक स्थित अर्धनिर्मित मार्केट के पास मोहल्ला गोलागंज निवासी सुशील कुमार का शव मिला था, जिसके सिर पर पीछे से ईंट से प्रहार किए जाने के संकेत मिले थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था, जहां रिपोर्ट में सिर में गंभीर चोट और अधिक रक्तस्राव से मृत्यु की पुष्टि हुई। उत्तराखंड के काशीपुर में रह रहे मृतक के भाई अनिल कुमार अगले दिन की शाम बहजोई पहुंचे और पूरी जानकारी पुलिस को दी, जिसके आधार पर बहजोई थाने में अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा पंजीकृत किया गया।

मुजफ्फरनगर-हिसार के बाद सोनीपत से जुड़े नकली कैप्सूल बिक्री के तार, औषधि विभाग ने जारी किया नोटिस

अमरोहा। गैस व अल्सर आदि की समस्या से निजात दिलाने वाले डीएच रेब डीएसआर कैप्सूल के नकली पाए जाने के बाद औषधि विभाग ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मुजफ्फरनगर, हरियाणा के हिसार के बाद नकली कैप्सूल बिक्री के तार जनपद सोनीपत से भी जुड़ गए हैं। अब विभाग ने एम/एस माईमेड हेल्थ केयर एथखेवट नंबर 315, खाता नंबर 401, किलो नंबर 4/96-5, रथधना रोड, ओपरोड बदेपुर गवरमेंट स्कूल बायापुर, सोनीपत को नोटिस जारी किया है। जिसमें कैप्सूल की बिक्री को तत्काल रोकने और विक्रय किए गए कैप्सूल को वापस मंगवाने के लिए कहा गया है। यह है पूरा

मामला गत 29 जुलाई 2025 को औषधि निरीक्षक रूचि बंसल ने सिनौरा रोड डिडौली स्थित हनफी मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया था। यहां से उन्होंने गैस व अल्सर आदि की समस्या से निजात दिलाने वाले कैप्सूल डीएच रेब डीएसआर का नमूना भरा था और जांच के लिए लखनऊ प्रयोगशाला भेजा था। गत चार दिसंबर को दवाई की जांच रिपोर्ट औषधि विभाग को प्राप्त हुई थी। जांच में दवा नकली पाई गई थी। इसमें पता चला था कि कैप्सूल में साल्ट रैबेप्रेजोल सोडियम और डोमेप्रोडीन की जगह सफेद चूरा भरा था। इसके बाद औषधि निरीक्षक ने मुजफ्फरनगर के बसीर आटा चक्की, सुजरू रोड जामियानगर के पास स्थित होलसेल सप्लायर मैसर्स अमन मेडिकल एजेंसी को माल न बेचने का नोटिस जारी किया था और एक साल का माल से जुड़ा ब्योरा मांगा था। किससे उसने दवा खरीदी, यह भी पूछा था। उसने जवाब विभाग को उपलब्ध कराते हुए बताया था कि उसने औषधि का क्रय फर्म ड्रग हब (ओपीसी) प्रा.लिमिटेड, स्थित मंडी रोड, बरवाला हिसार हरियाणा के द्वारा किया गया है। इसके बाद विभाग ने उस फर्म को नोटिस जारी कर दवा की बिक्री रोकने और क्रय किए जाने वाली फर्म की जानकारी मांगी थी। जिस पर उसने सोनीपत की फर्म एम/एस माईमेड हेल्थ केयर का नाम बताया था। अब विभाग ने उसको नोटिस भेजा है। नोटिस के जरिए यह दिए निर्देश, मांगी जानकारी औषधि का विक्रय तत्काल रोक दें। औषधि के क्रय विक्रय बीजक की तीन सत्यापित प्रतियां कार्यालय को उपलब्ध कराएं। औषधि का कितना स्टाक है, इसकी सूचना उपलब्ध कराएं।

अवैध कब्जे पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई, मदरसे को किया गया ध्वस्त

मस्जिद को स्थानीय लोगों ने नोटिस मिलने के बाद खुद ही हटाया

असमोली/संभल(सब का सपना):- जिले में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के खिलाफ प्रशासन की मुहिम जारी है। तहसील संभल के असमोली ब्लॉक के ग्राम सलेमपुर सालार उर्फ हाजीपुर (स्लेमपुरसार उर्फ हाजीपुर) में सरकारी भूमि पर बने अवैध मस्जिद और मदरसे को ध्वस्त कर दिया गया। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि यह कब्जा करीब 20-25 वर्ष पुराना था और मस्जिद-मदरसे के नाम पर यहां कमर्शियल गतिविधियां चल रही थीं। कई दुकानें बनाकर किराया वसूला जा रहा था, जो कुछ निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित की जा रही थीं। डीएम पेंसिया ने कहा, अतिक्रमणकारियों को पहले चेतावनी दी गई थी और जागरूक भी किया गया था। इसके बाद सभी को चिह्नित कर धारा 67

के तहत मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। हमने सभी कब्जे हटाने के निर्देश दिए हैं। अगर कब्जे नहीं हटाए गए तो अर्थदंड लगेगा और हटाने का पूरा खर्च भी वसूला जाएगा। इस मामले में प्रशासन ने 58 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है, साथ ही ध्वस्तीकरण का खर्च भी अतिक्रमणकारियों से वसूला जाएगा। कार्रवाई के दौरान एक हिस्से में मस्जिद को स्थानीय लोगों ने नोटिस मिलने के बाद खुद ही ध्वस्त कर दिया, जबकि मदरसे और दुकानों पर बुलडोजर चलाया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि अवैध निर्माण की सूचना

मिलने पर नोटिस जारी किए गए थे और कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए कार्रवाई की गई। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। डीएम और एसपी खुद मौके पर मौजूद रहे। संभल में अतिक्रमण हटाओ अभियान पिछले कुछ महीनों से तेज है। प्रशासन का कहना है कि सरकारी जमीन, तालाब, चारागाह और गरीबों के लिए आरक्षित भूमि पर हुए सभी अवैध कब्जों को हटाया जाएगा। इससे पहले भी कई स्थानों पर ऐसी कार्रवाइयां हो चुकी हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अवैध निर्माण खुद हटा लें, वरना सख्त कार्रवाई होगी।

एक युद्ध नशे के विरुद्ध के अन्तर्गत 176 व्यक्तियों को तम्बाकू छोड़ो दिया गया परामर्श

जनपद सम्भल में मुख्यमन्त्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला के 234वें सत्र का आयोजन

संभल(सब का सपना):- रविवार को जनपद में 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 5 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 234वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में 35 चिकित्सकों एवं 130 पैरा-मेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2544 रोगियों (पुरुष रोगी- 1134; महिला रोगी- 1024 एवं 386 बच्चों) का निःशुल्क उपचार गया। समस्त मेला सत्रों पर आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 137 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड तथा 1 आभा आई.डी. बनाये गये। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों पर बुखार के 311, चर्म रोग के 459, दमा के 383, मधुमेह रोग के 118, नेत्र रोग से सम्बन्धित 17, उच्च रक्तचाप के 77 तथा अन्य रोगों के मरीज देखे गये। बुखार के सम्बन्ध में 28 मरीजों की मलेरिया

की तथा 12 रोगियों की डेंगू की जाँच की गयी जिसमें मलेरिया के 1 मरीज की रिपोर्ट धनात्मक (Positive) रही; तथा अन्य सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट ऋणात्मक (Negative) रही। जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन (फैमिली प्लॉनिंग) सम्बन्धी परामर्श व परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री (चॉइस ऑफ बॉस्केट) के लिये अलग से एक काउन्टर बनाये गये। जिलाधिकारी के निदेर्शों के अनुपालन में जनपद की समस्त आशाओं के द्वारा सोर्स रिडक्सन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरुक किया गया तथा एक युद्ध नशे के विरुद्ध के अन्तर्गत 176 व्यक्तियों को तम्बाकू छोड़ो परामर्श भी दिया गया। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों का मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरुण पाठक तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा आरोग्य मेला का निरीक्षण किया गया।

दिल्ली में मछली खाते समय गले में फंसी 3 सेमी लंबी हड्डी, डॉक्टरों ने एंडोस्कोपी से निकाली

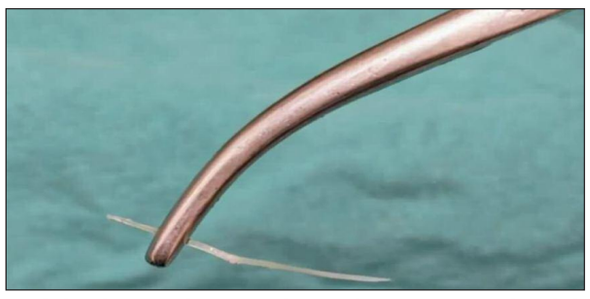

बाहरी दिल्ली। मछली के मांस का सेवन करते समय एक व्यक्ति के गले में लगभग तीन सेंटी मीटर लंबा हड्डी का टुकड़ा फंस गया। घंटों तक हड्डी जीभ के पिछले हिस्से और वैकेनुला में फंसी रही। बाद में पीड़ित को बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। एंडोस्कोपी कर गले से मछली की हड्डी को निकाला गया। शनिवार रात पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी के रहने वाले 50 वर्षीय व्यक्ति को बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल के ईएनटी विभाग लाया गया। पीड़ित व्यक्ति के स्वजन ने बताया कि मछली का मांस खाते समय गलती से मछली की हड्डी निगल ली। गले में दर्द, जलन और निगलने में दिक्कत के कारण सो नहीं पा रहा है। ईएनटी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. पंकज कुमार ने बताया कि मरीज की एंडोस्कोपिक जांच में पता चला कि मछली की हड्डी जीभ के पिछले हिस्से और वैलेकुला में फंसी हुई थी। एंडोस्कोपी का इस्तेमाल करके मछली की हड्डी को बिना 10 मिनट में सफलतापूर्वक निकाल दिया गया। तीन सेंटीमीटर थी लंबाई मछली की हड्डी की लंबाई लगभग तीन सेंटीमीटर थी। अगर इलाज में देरी होती तो जोखिम और बढ़ सकता था। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में इन्फेक्शन, फोड़ा या बाहरी चीज के शरीर में फैलने जैसी दिक्कतों को रोकने के लिए शुरूआती एंडोस्कोपिक इलाज बहुत जरूरी है। डा. पंकज कुमार ने बताया कि मछली एक स्वादिष्ट और सेहतमंद खाना है, लेकिन इसे खाते समय बहुत सावधान रहना चाहिए। मछली की हड्डी निगलने का खतरा रहता है।

दिल्ली के ली मेरिडियन होटल में ऊंचाई से गिरकर शख्स की मौत, आत्महत्या की आशंका

नई दिल्ली। मंगलवार दोपहर को राष्ट्रीय राजधानी के एक पॉश इलाके में स्थित ले मेरिडियन होटल में एक दुखद घटना हुई। 50 साल के एक आदमी की ऊंचाई से गिरने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान लाजपत नगर के रहने वाले के तौर पर हुई है। सूत्रों के अनुसार, मृतक व्यक्ति क्रिसमस के दौरान शहर के एक होटल में रुका हुआ था। मंगलवार दोपहर को, वह होटल के परिसर में दाखिल हुआ और ऊपरी मंजिलों की ओर गया, जिसके कुछ ही देर बाद यह घटना हुई। पुलिस जांच और शुरूआती निष्कर्ष दिल्ली पुलिस को दोपहर में घटना की जानकारी मिली, और एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। शुरूआती जांच के आधार पर, पुलिस इसे आत्महत्या का मामला मान रही है, हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मृतक की पहचानः लाजपत नगर का निवासी (50 साल)। जांच का दायराः पुलिस मामले की सभी संभावित कोणों (दुर्घटना या आत्महत्या) से जांच कर रही है। कानूनी कार्रवाईः शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा, "मामले की गहन जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।"

दिल्ली के शाहदरा में रिटायर्ड शिक्षक और पत्नी की हत्या से सनसनी, घर की तीसरी मंजिल पर मिले शव

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा इलाके में राम नगर एक्सटेंशन स्थित एक मकान में देर रात उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक रिटायर्ड शिक्षक और उनकी पत्नी के शव घर की तीसरी मंजिल पर अलग-अलग कमरों में पड़े मिले। पुलिस को आशंका है कि किसी ने दोनों की हत्या कर दी है। मामला मानसरोवर पार्क थाने का है। 4 जनवरी 2026 की आधी रात करीब 12:30 बजे थाने में एक पीसीआर कॉल आई। कॉल करने वाले वैभव बंसल ने घबराई हुई आवाज में बताया, मेरे पिता और मां दोनों बेहोश पड़े हुए हैं, शायद मर चुके हैं।तुरंत जांच अधिकारी (आईओ) पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। वहां वैभव बंसल ने पुलिस को बताया कि किसी ने उसके माता-पिता की हत्या कर दी है। निरीक्षण में तीसरी मंजिल पर दो शव मिले। मृतकों की पहचान वीरेंद्र कुमार बंसल (उम्र 75 वर्ष), पुत्र राधेश्याम, रिटायर्ड शिक्षक और उनकी पत्नी परवेश बंसल (उम्र 65 वर्ष) के रूप में हुई। दोनों इसी पते के निवासी थे।वीरेंद्र कुमार बंसल के चेहरे पर चोट के गंभीर निशान मिले हैं, जिससे प्रतीत होता है कि हमला किया गया हो। मौके पर क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को बुलाया गया। क्राइम सीन की विस्तृत जांच की गई और फोटोग्राफी कराई गई। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि लूटपाट का मकसद हो सकता है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। राम नगर में बुजुर्ग दंपती के घर के बाहर तैनात पुलिस। जागरण सभी संभावित एंगल से मामले की छानबीन की जा रही है। पुलिस पूछताछ और तकनीकी जांच के आधार पर जल्द खुलासा करने का दावा कर रही है।घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। पड़ोसी भी इस वारदात से स्तब्ध हैं। मामले की आगे की जांच जारी है।

जेएनयू में विंटर सेमेस्टर 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन की डेडलाइन जारी, इस तारीख तक नहीं लगेगी कोई लेट फीस

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में विंटर सेमेस्टर 2026 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन ने एकेडमिक सेशन को समय पर और आसानी से शुरू करने के लिए स्टूडेंट रजिस्ट्रेशन प्रोसेस के बारे में डिटेल में जानकारी जारी की है। कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशंस ऑफिस द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार, विंटर सेमेस्टर के लिए स्टूडेंट रजिस्ट्रेशन 12 जनवरी से शुरू होगा। सर्कुलर के अनुसार, इस बार रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरी तरह से फिजिकल मोड में होगा। सभी स्टूडेंट्स को 12 जनवरी तक रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। 17 जनवरी के बाद रजिस्ट्रेशन करवाने पर लेट फीस लगेगी। स्टूडेंट्स के पास 30 जनवरी तक कोर्स जोड़ने या हटाने का ऑप्शन होगा, जिसके बाद कोई और बदलाव करने की इजाजत नहीं होगी। यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन ने साफ किया है कि स्टूडेंट्स को रजिस्ट्रेशन के समय ट्यूशन फीस के साथ हॉस्टल, मेस और बाकी सभी बकाया फीस जमा करनी होगी। हालांकि, स्टूडेंट्स को राहत देते हुए, हॉस्टल फीस फिलहाल पुराने रेट पर ही ली जाएगी। इसके अलावा, एकेडमिक ईयर 2021-22 और उसके बाद एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स के लिए एबीसी/एपीएआर आईडी अनिवार्य कर दिया गया है। जेएनयू एडमिनिस्ट्रेशन ने स्टूडेंट्स से अपील की है कि वे रजिस्ट्रेशन प्रोसेस समय पर पूरा करें ताकि विंटर सेमेस्टर 2026 की क्लासेस बिना किसी रुकावट के शुरू हो सकें।

गिग वर्कर्स को लेकर मोदी सरकार के फैसले पर राघव चड्ढा हुए गदगद, कहा- यह पहचान और सुरक्षा की शुरूआत

आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने गिग वर्कर्स और डिलीवरी पार्टनर्स के लिए जारी ड्राफ्ट सोशल सिक्योरिटी नियमों की सराहना की है। उन्होंने इसे लाखों कामगारों के लिए पहचान, सुरक्षा और सम्मान की दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरूआत बताया। इन नियमों से गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं जैसे जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा और स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने गिग वर्कर्स और डिलीवरी पार्टनर्स के लिए जारी किए गए ड्राफ्ट सोशल सिक्योरिटी नियमों को एक अहम उपलब्धि बताया है। उन्होंने इस फैसले पर सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि यह फैसला भले ही छोटा लगे, लेकिन गिग इकोनॉमी से जुड़े लाखों कामगारों के लिए यह एक जरूरी और सकारात्मक शुरूआत है। राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए गिग वर्कर्स को बधाई दी और कहा कि अब उनके काम को औपचारिक पहचान मिलने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से गिग वर्कर्स बिना किसी सामाजिक सुरक्षा के काम कर रहे थे और अब स्थिति बदलने की उम्मीद जगी है। चड्ढा ने कहा कि कई प्लेटफॉर्म कंपनियों ने पहले इन कामगारों की चिंताओं को नजरअंदाज किया, लेकिन अब सरकार की पहल से उन्हें सुरक्षा और सम्मान देने की प्रक्रिया शुरू हुई है। उन्होंने इसे एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण जीत बताया। सामाजिक सुरक्षा पात्र के होंगे पात्र ड्राफ्ट नियमों के तहत गिग वर्कर्स को आधिकारिक पहचान दी जाएगी, जिससे वे सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ सकेंगे। प्रस्तावित नियमों के अनुसार यदि कोई गिग वर्कर किसी एक प्लेटफॉर्म के साथ एक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम तय अवधि तक काम करता है, तो वह सामाजिक सुरक्षा लाभ के लिए पात्र होगा। एक से अधिक प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले वर्कर्स के लिए भी कुल कार्य अवधि के आधार पर पात्रता तय की गई है। क्या होंगे गिग वर्कर्स को फायदे नए नियम लागू होने के बाद गिग वर्कर्स को पहचान पत्र और यूनिक अकाउंट से जोड़े जाने की संभावना है। इसके साथ ही उन्हें जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं का लाभ मिल सकता है। भविष्य में सोशल सिक्योरिटी फंड के जरिए पेंशन जैसी योजनाओं का रास्ता भी खुल सकता है। इस पहल से फूड डिलीवरी, कैब सर्विस और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़े कामगारों को आर्थिक सुरक्षा और स्थिरता का भरोसा मिलेगा। साथ ही उन्हें असंगठित श्रेणी से बाहर निकालकर एक संरक्षित कार्यबल के रूप में देखा जाएगा। आधुनिक अर्थव्यवस्था की अहम कड़ी राघव चड्ढा ने कहा कि गिग वर्कर्स आधुनिक अर्थव्यवस्था की अहम कड़ी हैं और उनके अधिकारों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में इन नियमों को और मजबूत किया जाएगा ताकि कामगारों को वास्तविक और स्थायी लाभ मिल सके।

दिल्ली के इस फ्लाईओवर की मरम्मत को मिली मंजूरी, 17 करोड़ से बदले जाएंगे एक्सपेंशन ज्वाइंट्स

नई दिल्ली। पिछले तीन साल से उठ रही मांग के बाद लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) अब सीलमपुर पुराने फ्लाईओवर की मरम्मत कराएगा। इसके तहत एक्सपेंशन ज्वाइंट बदले जाएंगे तथा विभिन्न जरूरी कामों को कराया जाएगा। सरकार ने इसके लिए 17 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी है। इस फ्लाईओवर पर एक्सपेंशन ज्वाइंट खराब हो जाने से खासकर दो पहिया वाहनों को आवागमन में सुरक्षा को लेकर खतरा बना रहता है। इस फ्लाईओवर को शास्त्रीपार्क की ओर से अप्सरा बार्डर की ओर जाने वाले यातायात को सिग्नल फ्री किए जाने के लिए करीब 19 साल पहले बनाया गया था। 2006 में बना था सिंगल फ्लाईओवर सीलमपुर में टी-प्वाइंट लालबत्ती पर पहली बार 2006 में सिंगल फ्लाईओवर बनाया गया था। उसे समय यातायात का दबाव यहां पर इतना ज्यादा नहीं था। सरकार ने जीटी रोड पर शास्त्रीपार्क से अप्सरा बार्डर की ओर जाने के लिए तीन लेन का सिंगल फ्लाईओवर बनाया था। इसे बनाए हुए अब 19 साल हो गए हैं। पिछले तीन साल से इसकी मरम्मत कराए जाने की बात उठ रही है। पीडब्ल्यूडी ने भी करीब तीन साल पहले इस फ्लाईओवर की मरम्मत कराए जाने का प्रस्ताव उस समय की आप सरकार के पास भेजा था, जिसमें एक्सपेंशन ज्वाइंट बदले जाने की जरूरत पर बल दिया गया था। समय पर फंड नहीं मिलने से अटका काम दरअसल एक्सटेंशन ज्वाइन की उम्र 12 से 15 साल के करीब मानी जाती है जो अब अब पूरी तरह खराब हो चुके हैं। मगर पूर्व की सरकार के समय फंड न मिलने से यह काम नहीं शुरू हो सका था। अब इस पर काम शुरू होने जा रहा है। दिल्ली सरकार ने इस काम के लिए 17,85,59,133 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी है। इसके तहत सड़क की टूटी हुई सतह यानी हनीकाम्ब कंक्रीट की मरम्मत, एक्सपेंशन ज्वाइंट को फिर से स्थापित करने के साथ साथ इलास्टोमेरिक पैड और फ्लाईओवर के बेयरिंग को बदला जाएगा। इन्हें फ्लाईओवर के ऊपर पड़ने वाले दबाव को कम करने के लिए लगाया जाता है।

दिल्ली की अदालत ने पीएफआई नेता के खिलाफ एनआईए मामला में बंद कमरे में कार्यवाही का आदेश दिया

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के नेताओं के खिलाफ एनआईए मामले में बंद कमरे में कार्यवाही करने का आदेश दिया। विशेष न्यायाधीश (एनआईए) प्रशांत शर्मा पीएफआई के 20 आरोपी नेताओं के खिलाफ आरोपों की सुनवाई कर रहे हैं। शर्मा ने मीडियाकर्मियों को अदालत छोड़ने के लिए कहा और बताया कि कार्यवाही बंद कमरे में होगी। सूत्रों ने बताया कि अदालत ने मामले की अगली सुनवाई सात जनवरी को तय की है। एनआईए ने 21 दिसंबर, 2025 को एक अदालत को बताया था कि पीएफआई पड़ोसी देशों से हथियार खरीदने, अपने कैडरों को हथियार प्रशिक्षण प्रदान करने और मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की कोशिश कर रही थी। सितंबर 2022 में, केंद्र ने एक कड़े आतंकवाद-निरोधक कानून के तहत पीएफआई और उसके कई सहयोगियों पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया, जिसमें आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकवादी समूहों से संबंध होने का आरोप लगाया गया था।

दिल्ली हवाई अड्डा पर 10 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का गांजा जब्त, एक गिरफ्तार : सीमा शुल्क

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर 10 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का गांजा जब्त किया गया। सीमा शुल्क विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोपी 31 दिसंबर को बैंकॉक से दिल्ली आया था और उसे अगले दिन कोलंबो के लिए रवाना होना था। आव्रजन मंजूरी के बाद यात्री ने एयरलाइन से अपना चेक-इन किया हुआ सामान उतारने का अनुरोध किया। संदेह होने पर, ड्यूटी पर तैनात सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा यात्री को उसके निजी सामान की जांच के लिए ले जाया गया। सीमा शुल्क विभाग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विस्तृत जांच के दौरान, एक काले रंग के ट्रॉली बैग से हरे रंग के मादक पदार्थ से भरे ग्यारह पॉलीथीन बरामद किए गए, जिनमें गांजा होने का संदेह है। सीमा शुल्क विभाग ने जांच के बाद बताया कि मादक पदार्थ प्रथम दृष्टया गांजा होने की पुष्टि करता है। सीमा शुल्क विभाग ने यह भी बताया कि जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थ का अनुमानित बाजार मूल्य 10.27 करोड़ रुपये है और यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जहांगीरपुरी में दो युवकों पर चाकू से कई बार हमला किया गया, दोनों घायल

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में चार लोगों ने कथित तौर पर कई बार चाकू से वार करके 18 वर्षीय दो युवकों को गंभीर रूप से घायल कर दिया।एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, जहांगीरपुरी पुलिस थाने को दोपहर करीब 2.55 बजे पीसीआर पर जानकारी प्राप्त हुई, जिसमें जहांगीरपुरी के के ब्लॉक के पास चाकूबाजी की घटना की सूचना दी गई थी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, मौके पर पहुंचने पर पुलिस को अंशु और विमल नाम के दो घायल व्यक्ति मिले, दोनों की उम्र 18 वर्ष थी। अंशु के दाहिने हाथ पर चाकू से वार किए गए थे, जबकि विमल को कई जगह चाकू के घाव लगे थे। घायलों को प्राथमिक चिकित्सा सहायता प्रदान की गई और बाद में आगे के इलाज के लिए लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह हमला के ब्लॉक में चार लोगों द्वारा बिना किसी उकसावे के किया गया था। पूछताछ के दौरान घायलों ने पुलिस को बताया कि हमलावर उनके पास आए और पूछा कि क्या वे साहिल नाम के किसी व्यक्ति को जानते हैं। जब पीड़ितों ने नहीं में जवाब दिया, तो आरोपियों ने आगे पूछा कि क्या वे के ब्लॉक के निवासी हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुछ ही देर बाद, हमलावरों ने कथित तौर पर धारदार हथियार निकाले और दोनों पर वार करके उन्हें घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि अंशु का बयान तब दर्ज किया गया जब उसे बयान देने के लिए स्वस्थ घोषित किया गया। उसकी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान और उन्हें ढूंढने के लिए कई टीम गठित की गई हैं और हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि आसपास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आगे की जांच जारी है।

लालू प्रसाद की याचिका पर सोमवार को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता लालू प्रसाद यादव की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करने की संभावना है जिसमें उन्होंने कथित आईआरसीटीसी (भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम) घोटाला मामले में उनके और उनकी पत्नी राबड़ी देवी, पुत्र तेजस्वी प्रसाद यादव तथा 11 अन्य के खिलाफ आरोप तय किए जाने संबंधी विशेष अदालत के आदेश को चुनौती दी है। पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री ने इस आदेश को हाल में चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। अदालत के सूत्रों के अनुसार, यह मामला पांच जनवरी को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। इससे पहले 13 अक्टूबर को दिल्ली की एक अदालत ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत आरोप तय किए थे। लालू यादव के अलावा, अदालत ने प्रदीप कुमार गोयल, राकेश सक्सेना, भूपेंद्र कुमार अग्रवाल, राकेश कुमार गोगिया और विनोद कुमार अस्थाना के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (पीसी) अधिनियम की धारा 13(2) ((धारा 13(1)(डी)(ii) एवं (iii) के साथ पढ़ा जाए) के तहत आरोप तय किए। धारा 13(2) लोक सेवक द्वारा आपराधिक कदाचार के लिए दंड से संबंधित है, और धारा 13(1)(डी)(ii) और (iii) लोक सेवक द्वारा पद का दुरुपयोग कर लाभ प्राप्त करने से संबंधित है। अदालत ने लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी, मेसर्स लारा प्रोजेक्ट्स एलएलपी, विजय कोचर, विनय कोचर, सरला गुप्ता और प्रेम चंद गुप्ता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत आरोप तय करने का भी निर्देश दिया था।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण और शीतलहर का डबल अटैक, कोहरे की चादर में लिपटी राजधानी, 'बहुत खराब' हुई हवा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में कड़ाके की ठंड के साथ-साथ प्रदूषण का कहर जारी है। रविवार सुबह दिल्लीवासी ठंडी, बफीर्ली हवाओं और घने कोहरे के बीच उठे। कोहरे के कारण शहर के कई हिस्सों में विजिबिलिटी काफी कम दर्ज की गई, जिससे यातायात पर भी असर पड़ा। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 248 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। हालांकि, शहर के कई हॉटस्पॉट्स पर हालात इससे कहीं ज्यादा गंभीर बने हुए हैं। राजधानी के मुख्य मॉनिटरिंग स्टेशनों पर हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई है। आनंद विहार (350), रोहिणी (361), चांदनी चौक (355) और मुंडका (329) जैसे इलाकों में सांस लेना दूभर हो गया है। इसके विपरीत, एनएसआई टी द्वारका और इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसे क्षेत्रों में हवा थोड़ी बेहतर रही, जहां एक्यूआई 177 दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान गिरकर 9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जिससे ठिठुरन और बढ़ गई है। प्रदूषण और स्मॉग की इस धुंध के बावजूद, इंडिया गेट पर गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। जवानों का अभ्यास और अन्य तैयारियां कोहरे के बीच भी थमी नहीं हैं। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान 18 से 19 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा। ठंड और धुंध का यह सिलसिला फिलहाल थमता नजर नहीं आ रहा है। उत्तर और मध्य भारत के लिए भी मौसम विभाग ने 'शीतलहर' का अलर्ट जारी किया है। अगले कुछ दिनों में तापमान में और गिरावट आने और घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो 5 और 6 जनवरी को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद में हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है, जबकि हिमाचल प्रदेश में 6 जनवरी को बारिश के आसार हैं। पहाड़ों पर होने वाली इस हलचल का सीधा असर मैदानी इलाकों की ठंड पर पड़ेगा।

धीमी गति के चलते सबसे आखिर में खत्म होगी दिल्ली की गाजीपुर लैंडफिल साइट, क्या है नई डेडलाइन?

नई दिल्ली। दिल्ली में गाजीपुर कूड़े के पहाड़ को खत्म करने का कार्य पूर्व में सबसे तेज चल रहा था लेकिन अब स्थिति यह है कि यहां पर सबसे कम धीमी गति से कार्य हो रहा है। यही वजह है कि सबसे पहले ओखला और फिर भलस्वा लैंडफिल साइट खत्म होगी। अब सबसे आखिर में इस लैंडफिल साइट को वर्ष 2027 के दिसंबर तक खत्म किया जाना है। इसकी धीमी गति की वजह पहले यहां लैंडफिल साइट के निस्तारण में लगी कंपनी में आपसी विवाद था जबकि अब यहां पर लगा कूड़े से बिजली बनाने का संयंत्र का तय क्षमता से काम न करना है। एमसीडी द्वारा एनजीटी में दिए गए हलफनामें यह मामला उजागर हुआ है। हलफनामे के अनुसार अप्रैल 2025 से शुरू हुए वित्त वर्ष में यह प्लांट तीन माह से ज्यादा समय ही बंद रहा। ऐसे में अप्रैल से दिसंबर 2025 में 275 दिन में से यह प्लांट 108 दिन संचालित ही नहीं हुआ। एमसीडी के अनुसार प्लांट की मरम्मत से लेकर चिमनी से जुड़े कार्यों के कारण व ग्रेप के कारण 12 सितंबर से पांच दिसंबर तक प्लांट बंद रहा। तय क्षमता से भी नहीं चल रहा प्लांट इतना ही नहीं प्लांट अपनी तय क्षमता से भी नहीं चल रहा है। फिलहाल इसकी क्षमता 1300 टन कचरा निस्तारण करके 12 मेगावाट बिजली उत्पादन की है। जबकि एनजीटी को दिए गए एमसीडी के हलफनामे के अनुसार कचरे गुणवत्ता में बदलाव और प्रेशर पाट्र्स में मरम्मत व सफाई की जरुरत की वजह से इसे कभी-कभी अस्थायी रूप से बंद करना पड़ता है। जबकि इसका संचालन 24 घंटे होना चाहिए। रिपोर्ट में बताया कि मरम्मत होने के बाद भी 1300 टन प्रतिदिन की बजाय यहां पर 900 टन प्रतिदिन ही कचरे का निस्तारण हुआ। जबकि अप्रैल 2025 में 300 से 400 टन प्रतिदिन ही कचरा निस्तारण हुआ। मई में 500 से 800 टन प्रतिदिन, जून में 182 टन प्रतिदिन से 1082 टन प्रतिदिन रहा है। ऐसा ही दूसरे माह में रहा। लैंडफिल पर ही डल रहा कचरा एमसीडी का कूड़े से बिजली बनाने का संयंत्र बंद होने से यहां पर कूड़ा निस्तारण में चल कार्य धीमा हो रहा है साथ ही जो कचरे का उपयोग बिजली बनाने के लिए किया जाना चाहिए था वह लैंडफिल पर ही डलता है। जिसकी वजह से यहां पर दिसंबर 2027 में इसे खत्म करने की जो समय-सीमा है वह सही में ठीक हो पाएगी इस पर प्रश्नचिह्न है। यह प्लांट 2015 नवंबर में शुरू हुआ था। जिसकी क्षमता 1300 से 1500 टन प्रतिदिन निस्तारण की तय की गई थी।

हरियाणा में इन मार्गों को बनाया जाएगा फोरलेन, प्रोजेक्ट को मिली मंजूरी

हरियाणा : भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने इन सड़कों को हाईवे की श्रेणी में शामिल कर डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली है। कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य शुरू भी किया गया, लेकिन फोरलेन के लिए आवश्यक चौड़ाई कई हिस्सों में वन विभाग की भूमि पर निर्भर है। नियमों के तहत पीडब्ल्यूडी के माध्यम से एनओसी मांगी गई, लेकिन अब तक वन विभाग से मंजूरी नहीं मिल पाई है। फोरलेन का काम अटकने से इन मार्गों पर ट्रैफिक दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। रोजाना जाम की स्थिति बन रही है, जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र में नूंह से कांग्रेस विधायक आफताब अहमद और बादली से विधायक कुलदीप वत्स ने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि स्वीकृति के बावजूद सड़क निर्माण कार्य अब तक क्यों शुरू नहीं हुआ। विधायकों ने बताया कि नूंह से बिलासपुर होते हुए दिल्लीझजयपुर हाईवे, गुरुग्रामझपटौदी हाईवे और रेवाड़ीझरोहतक हाईवे नंबर 71 को कुलाना तक जोड़ने वाला मार्ग फोरलेन नहीं हो पा रहा है। इसके चलते बिलासपुर, पटौदी, हेलीमंडी समेत कई क्षेत्रों में भारी जाम की समस्या बनी रहती है। इसके अलावा नूंहझअलवर, नूंहझहोडलझपलवल, हथीनझनूंह, पुन्हानाझहोडल मार्ग सहित हिसार और सिरसा के कई मार्ग भी फोरलेन होने बाकी हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह को संबंधित विभागों के साथ बैठक करने की सलाह दी। वन मंत्री ने इस पर सहमति जताते हुए कहा कि अगले सप्ताह अधिकारियों के साथ बैठक कर सभी अड़चनों को दूर किया जाएगा। राव नरबीर सिंह ने बताया कि वन विभाग, लोक निर्माण विभाग और एनएचएआई के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल होंगे। अगले दो से तीन दिनों में बैठक की तारीख और स्थान तय कर लिया जाएगा, ताकि फोरलेन परियोजनाओं को जल्द से जल्द आगे बढ़ाया जा सके।

एसआई भर्ती के नाम पर हरियाणा के कबड्डी खिलाड़ी से ठगी, 3 महीने करवाई फर्जी ट्रेनिंग

हरियाणा : हरियाणा में बेटे के सब इंस्पेक्टर (एसआइ) भर्ती होने की खुशखबरी मिली, जिसके बाद ज्वाइनिंग लेटर हाथ में थमा दिया। बेटा भर्ती हो गया, इस खुशी से गांव भर में चर्चा हुई तो सब ने बधाई दी। ज्वाइनिंग लेटर के कुछ दिन बाद सब इंस्पेक्टर की वर्दी, बेल्ट व जूते भी दे दिए। भर्ती की बात पक्की हो गई और बेटे को तीन महीने की ट्रेनिंग के नाम पर जयपुर भेज दिया। बेटा जयपुर में एक कोचिंग सेंटर में पुलिस भर्ती की पढ़ाई करता रहा तो उसे अहसास हुआ कि यह तो महज सामान्य पढ़ाई है। सरकारी ट्रेनिंग तो हुई नहीं। कबड्डी के खिलाड़ी को मामला संदिग्ध लगा तो उसने पिता से बात की। उन्होंने पड़ताल की तो हैरान रह गए, क्योंकि उनके साथ यह सब ठगी अपने ही रिश्तेदार ने की थी। ठगी के शिकार राजपाल राणा निवासी राजपाल राणा ने बताया कि उनकी छोटी बहन की शादी आरोपित बारू राम के बेटे के साथ हुई थी। बारू राम के बड़े बेटे की बहू पूनम रानी के हरियाणा में कांस्टेबल भर्ती होने की बात कहते हुए राजपाल को कहा कि हरियाणा में पांच से सात कांस्टेबल की सीधी भर्ती होनी है। ऐसे में राजपाल अपने बेटे शुभम को कांस्टेबल भर्ती करवा सकता है। गांव रसौली, पातड़ां ने पुलिस को शिकायत दी। इसके बाद जांच कर पुलिस ने राजपाल की बहन के ससुर बारू राम व उनके पोते की पत्नी पूनम रानी (पौत्र बहू) निवासी गांव गारदी नगर, राजपुरा के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर दी। यह मामला दो जनवरी को पातड़ां थाने में दर्ज हुआ है लेकिन अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

वर्क परमीट व विजा दिलवाने के नाम पर 100 लोग ठगे, 4 करोड़ हड़पे

यमुनानगर : आस्ट्रेलिया का वर्क परमिट व वीजा दिलवाने के नाम पर 100 लोगों से लगभग चार करोड़ रुपये की ठगी के मामले में ग्लोबल इंफोटेक कंपनी के संचालकों पंजाब के मोहाली के खरड़ निवासी प्रदीप व अजय कुमार को प्रोडक्शन वारंट पर लिया गया है। मामले की जांच कर रही आर्थिक अपराध शाखा ने दोनों आरोपितों को शनिवार को कोर्ट में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया है। केवल सिंह ने बताया कि इन आरोपितों पर गांधीनगर थाना व पंचकूला में 15 केस विदेश भेजने के नाम पर ठगी के दर्ज हैं। कुछ शिकायतें भी इनकी लंबित हैं। आरोपितों ने आधार कार्ड पर पता बदलकर अलग-अलग जगह पर कार्यालय खोले। ठगी के लिए ही उन्होंने यह कार्यालय खोला था। आरोपितों से अब तक की पूछताछ में सामने आया कि इन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से कुछ लोगों के रुपये भी वापस किए जिससे उन्होंने शिकायत नहीं की। आरोपितों को पंचकूला पुलिस ने अपने केसों में गिरफ्तार किया। अब वहां से रिमांड पर लिया गया। यहां दर्ज केस में आरोपितों की सहयोग रमनप्रीत कौर व उसके बेटे तरणप्रीत को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। गांधीनगर थाना पुलिस को दी शिकायत में लवली बंसल ने बताया था कि आरोपित रमनदीप कौर ग्लोबल इंफोटेक में बतौर प्रोपराइटर कार्य करती है। उससे आस्ट्रेलिया जाने के बारे में बात की तो आरोपित ने कहा कि उनकी कंपनी की आस्ट्रेलिया में बड़ी कंपनियों में हिस्सेदारी है।

एचकेआरएन की तरफ से हरियाण के 210 युवाओं को रोजगार के लिए भेजा जा रहा है दुबई

करनाल : हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत प्रदेश के 210 युवाओं को दुबई में नौकरी दिलाई गई है। शनिवार को कल्पना चावला मेडिकल कालेज के सभागार में विदेश सहयोग विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम पंचजन्य 2026 में युवाओं को आफर लेटर दिए गए। इस दौरान विशेष रूप से केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और खेल व युवा मामलों के मंत्री गौरव गौतम मौजूद रहे। मनोहर लाल ने कहा कि युवा पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास पर भी ध्यान दें। हुनर के साथ-साथ दूसरी भाषाओं को सीखें और देश की जड़ों से जुड़े रहे। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पहले चरण में 225 युवाओं का इजरायल के लिए चयन हुआ। इनमें से 180 गए। अभी वहां से 10 हजार लोगों की मांग आई है। दूसरे चरण में अब 210 युवाओं का चयन हुआ है। सरकार की ओर से पासपोर्ट, वीजा के साथ-साथ इन युवाओं के लिए विदेश में सुरक्षा की गारंटी भी सुनिश्चित की जाती है, जबकि डंकी रूट से जाने वालों को किसी प्रकार की सुरक्षा नहीं मिलती। युवा पढ़ाई के साथ युवा स्किलिंग पर ध्यान दें। विदेश सहयोग विभाग की आयुक्त एवं सचिव अवनीत पी कुमार ने इस मौके पर कहा कि सरकार युवाओं के साथ है। ट्रेनिंग से चयन तक हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। भविष्य में युवाओं को जर्मन, जापानी, अंग्रेजी, फ्रेंच आदि भाषाएं सिखाने के लिए कोचिंग दी जाएगी। इसके लिए फारेन लेग्वेज पालिसी जल्द लाई जाएगी। प्रदेश में सेंटर खोले जाएंगे। एक सेंटर करनाल में भी खोला जाएगा। यूके के साथ फरवरी में एक कार्यशाला होगी। विदेश सहयोग विभाग के सलाहकार पवन कुमार चौधरी ने भी विचार रखे।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: इन अस्थायी कर्मचारियों को नियमित करने के आदेश

चंडीगढ़: पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने दो दशक से अधिक समय से कार्यरत दैनिक वेतन, संविदा और अस्थायी कर्मचारियों के हक में फैसला सुनाते हुए कहा कि कर्मचारियों के प्रति निष्पक्षता व उनकी सुरक्षा सरकार का राजधर्म है। कोर्ट ने कर्मियों को नियमित करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि सरकार सालों तक कर्मचारियों से काम लेकर उन्हें नियमित करने से इनकार नहीं कर सकती। जस्टिस संदीप मौदगिल की एकल पीठ ने हरियाणा सरकार के खिलाफ दायर 41 याचिकाओं पर एक साथ फैसला सुनाते हुए कहा कि 10 साल से अधिक समय तक सेवा दे चुके कर्मचारियों को नियमित किया जाना अनिवार्य है। फैसला सुनाते हुए नियमित न करने को कोर्ट ने माना अनुचित याचिकाकर्ता वर्ष 1994 से विभिन्न विभागों में दैनिक वेतन, वर्क-चार्ज या अस्थायी आधार पर कार्यरत थे। उन्होंने सरकार की वर्ष 1993, 1996, 2003 व 2011 की नियमितीकरण नीतियों के तहत नियमित करने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों से लगातार काम लेकर उनका शोषण नहीं कर सकती।

पकड़ा गया मुन्ना भाई! दोस्त की जगह परीक्षा दे रहा युवक पकड़ा, तीन दिन के रिमांड पर भेजा

महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को आयोजित एमटीएस (मल्टी-टास्किंग स्टाफ) परीक्षा में दूसरे की जगह परीक्षा दे रहे जींद निवासी मिया सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह युवक संतोखपुरा निवासी जय की जगह परीक्षा दे रही था जो उसका दोस्त है। परीक्षा में नकल करते समय आरोपी का खुलासा हुआ। शनिवार को पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया है। शुक्रवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के खंड एक में एमटीएस परीक्षा आयोजित की गई। इसमें परीक्षा निरीक्षक के तौर पर डॉ. संगीता की ड्यूटी थी। इस दौरान एक युवक कोट में मुंह छिपाकर बात कर रहा था। इस पर निरीक्षक ने युवक की जांच की तो उसके पास एक इलेक्ट्रिक डिवाइस मिला जिससे वह युवक बाहर किसी दूसरे युवक से बात कर रहा था। इसके बाद उन्होंने केंद्र अधीक्षक को सूचना दी और युवक को परीक्षा देने से रोक दिया। केंद्र अधीक्षक ने मौके पर आकर परीक्षार्थी का यूएमसी केस बनाया और आकोदा पुलिस चौकी को इसकी सूचना दी।

12वीं की परीक्षा को लेकर फार्म की गलतियां ठीक करने का दिया मौका

हरियाणा : विद्यार्थियों के नाम, फोटो और विषय में किसी तरह की गलती या फिर कुछ बदलाव करना है तो उसमें संशोधन किया जा सकता है। इसके लिए हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की ओर से विद्यार्थियों को फार्म में संशोधन करने के लिए मौका दिया है। जिसके चलते अस्थायी मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों को 7 जनवरी तक ही इसे दुरूस्त करवाना होगा। जिले में 478 सरकारी और प्राइवेट स्कूल हैं। विद्यार्थियों को इस साल कक्षा दसवीं और 12वीं के विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षा में बैठने की तैयारी की जा रही है। इन परीक्षाओं को लेकर फार्म पहले ही भरे जा चुके हैं, जिसमें किसी भी तरह की गलती है या फिर उसमें कुछ संशोधन किया जाना है तो उसके लिए बोर्ड ने एक मौका दिया है, ताकि विद्यार्थियों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। चेक लिस्ट जारी कर सुधार का आखिरी अवसर दिया है। कोई विद्यार्थी पहले से पढ़ रहे सब्जेक्ट की जगह पर कोई प्रायोगिक विषय लेना चाहता है तो 100 रुपये फीस देकर आनलाइन पोर्टल पर विषय बदल सकता है। सीनियर सेकेंडरी के विद्यार्थी को पांच अनिवार्य विषय के अलावा 6वां विषय लेना चाहता है तो दो सौ रुपये देकर और एक हजार रुपये लेट फीस देकर बदलाव कर सकता है। विद्यार्थियों की चेक लिस्ट में यदि कोई गलती है तो उसके लिए एक ओर मौका दिया गया है। जिसे समय पर दुरूस्त करवा सकते हैं। समय निकलने के बाद कोई फेरबदल नहीं होगा। इसका मकसद विद्यार्थियों को परीक्षा के समय को दिक्कत ना आए।

अब कॉमर्शियल बिल्डिंग में आसानी से बढ़ा सकेंगे फ्लोर एरिया रेशियो

चंडीगढ़: कारोबार को सुगम बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए हरियाणा सरकार ने हरियाणा बिल्डिंग कोड-2017 में किए गए संशोधनों को लागू कर दिया है। नए प्रावधानों के तहत अब कॉमर्शियल इमारतों में फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) को तय शुल्क के भुगतान पर बिना किसी रोक-टोक के बढ़ाया जा सकेगा। इसके साथ ही ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट (ओसी) की प्रक्रिया को भी सरल और समयबद्ध बनाया गया है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के अनुसार इन बदलावों का उद्देश्य रियल एस्टेट, औद्योगिक गतिविधियों और व्यापारिक निवेश को गति देना है। विभाग ने संशोधित नियमों की अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना के अनुसार शॉपिंग मॉल, मल्टीप्लेक्स, डिपार्टमेंटल स्टोर, इंटीग्रेटेड कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, कार्यालय, होटल, रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हॉल और गेस्ट हाउस जैसी विभिन्न श्रेणी की कामर्शियल इमारतों में अब अधिक एफएआर और ऊंचाई की अनुमति दी गई है। इसी तरह औद्योगिक इकाइयों को भी राहत दी गई है। जनरल इंडस्ट्रीज 150 प्रतिशत से अधिक, रेडीमेड कपड़ा और जूता निर्माण की इकाइयां 250 प्रतिशत से अधिक और डाटा सेंटर 500 प्रतिशत तक एफएआर तय शुल्क अदा कर खरीद सकेंगे। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया कि एफएआर बढ़ोतरी के दौरान फायर सेफ्टी और पार्किंग से जुड़े सभी नियमों का कड़ाई से पालन अनिवार्य होगा ताकि सुरक्षा और शहरी प्रबंधन पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। संशोधित प्रावधानों से पहले से निर्मित इमारतों को भी लाभ मिलेगा। 30 जून 2016 से पहले स्वीकृत परियोजनाएं इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट चार्ज (आईडीसी) और एक्सटर्नल डेवलपमेंट चार्ज (ईडीसी) का भुगतान कर इंडस्ट्रियल, कॉमर्शियल, रिजॉर्ट और इंस्टीट्यूशनल उपयोग के लिए अतिरिक्त एफएआर का लाभ उठा सकेंगी। हीं, इसके बाद स्वीकृत इमारतों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के 50 प्रतिशत तक एफएआर बढ़ाने की सुविधा दी गई है। अधिकारियों के अनुसार यह छूट कारोबार को आसान और प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में दी गई है। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सरकार सभी बिल्डिंग प्लान अप्रूवल और ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट के लिए एक सार्वजनिक ऑनलाइन ई-रजिस्टर भी लॉन्च करेगी। परियोजनाओं में देरी की समस्या दूर करने के लिए ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट की प्रक्रिया में भी सुधार किया गया है। काफी जोखिम वाली इमारतों के लिए पैनल में शामिल थर्ड पार्टी आर्किटेक्ट और इंजीनियरों के माध्यम से निर्धारित समयसीमा में ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा। वहीं, कम जोखिम वाली इमारतों जैसे प्लॉटेड रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी और कुछ औद्योगिक इकाइयों को न्यूनतम निर्माण शर्तों के तहत सेल्फ सर्टिफिकेशन के माध्यम से ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट मिलेगा।

संशोधित बिल्डिंग कोड में प्रावधान किया कि ग्रीन रेटिंग फॉर इंटीग्रेटेड हैबिटेट असेसमेंट (जीआरआईएचए) से प्रमाणित इमारतों को अलग से एन्वायरनमेंट क्लीयरेंस लेने की आवश्यकता नहीं होगी। जीआरआईएचए भारत की राष्ट्रीय ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग प्रणाली है जो टिकाऊ डिजाइन, ऊर्जा दक्षता, जल प्रबंधन और पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के उपयोग का मूल्यांकन करती है।

इसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार और संसाधन संरक्षण को बढ़ावा देने वाली इमारतों को प्रोत्साहित करना है।

खबर एक्सप्रेस

यमुनानगर में व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या, पतंग की डोर को लेकर हुआ था विवाद

यमुनानगर : यमुनानगर के गांव भंभोल में पतंग की डोर को लेकर हुए 2 बच्चों के विवाद में मामला इतना बढ़ गया कि एक बच्चे के पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। हत्या करने के बाद आरोपी परिवार घर से फरार है तो वहीं गांव में तनाव के माहौल के चलते पुलिस बल को गांव में तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। मिला जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान 42 वर्षीय राजेश के रूप में हुई है। बीते दिन पतंग की डोर को लेकर 2 बच्चों में खींचातानी हो गई, जिसके चलते एक बच्चे की उंगली में डोर से कट लग गया। डोर से कट लगने के बाद जब बच्चा घर पहुंचा तो उसने घर वालों को और ही बहाना बनाकर कट लगने का कारण बता दिया। बच्चों की उंगली में कट को लगे देख बच्चों की मां ने विवाद शुरू कर दिया। यह विवाद बच्चों से शुरू हुआ और बड़ों तक पहुंच गया। देर शाम जब राजेश काम से घर पहुंचा तो मामले ने फिर से तूल पकड़ लिया। जिस दूसरे बच्चे की उंगली में कट लगा था उसके पूरे परिवार ने राजेश पर हमला कर दिया, साथ ही तेजधार हथियारों से उस पर वार किया। जिसके चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में खून से लथपथ राजेश को जब सिविल स्थल जगाधरी लाया गया तो उसने अस्पताल में आते ही दम तोड़ दिया। एसएचओ वेदपाल सिंह ने कहा कि फिलहाल गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस मामले में आरोपी पूरे परिवार के खिलाफ ही पुलिस ने मामला दर्ज किया है। जिनमें एक महिला दो बच्चे और एक बच्चे के पिता के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया है।

इतनी महंगी भैंस! हरियाणा सरपंच ने खरीदी भैंस, ऐसे किया स्वागत कि देखते रह गए लोग

नारनौल : हरियाणा के नारनौल जिले में एक अनोखा नजारा देखने को मिला, जहां गांव के सरपंच ने भैंस खरीदने की खुशी में उसका ऐसे स्वागत किया जैसे वो कई सेलिब्रिटी हो। खुशी में घर पर डीजे बजवाया। फूल-माला पहनाकर भैंस का स्वागत किया गया। वहीं पैर में घुंघरू बांधकर कस्बे की मेन रोड पर वॉक भी करवाई। शहबाजपुर गांव के सरपंच विक्रम ने बताया कि उन्होंने राजस्थान के श्रीगंगानगर से 11 लाख रुपए में भैंस खरीदी है। मुर्रा नस्ल की ये भैंस एक दिन में 30 लीटर दूध देती है। वहीं विक्रम की डेयरी में कई नस्ल की 10 से ज्यादा भैंसे हैं।

दर्दनाक हादसा: ट्राला चालक ने स्कूटी सवार को कुचला, मौके पर मौत

रादौर : रादौर के एसके मार्ग पर निमार्णाधीन अंबाला - शामली एक्सप्रेस वे के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। स्कूटी सवार को खनन सामग्री से लदे ट्राले ने कुचल दिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही डायल 112 और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए यमुनानगर भेज दिया और आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक की पहचान गांव अलाहर निवासी सतबीर के रूप में हुई है। रादौर थाना प्रभारी आनंद प्रकाश ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक ट्राला चालक फरार हो चुका था। हालांकि ट्राले को कब्जे में ले लिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

लूटपाट करने वाले गिरोह का सरगना गिरफ्तार, 19 मामलों में था वांछित

पंचकूला : पंचकूला पुलिस की क्राइम ब्रांच सेक्टर-19 की टीम ने हाईवे पर लूट की वारदातें करने वाले गैंग का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गैंग के मुख्य सरगना को गिरफ्तार कर लिया है। गिरोह के सरगना की पहचान दीपक कुमार उर्फ दीपु निवासी गांव ढंडारडु, जिला पंचकूला के रूप में हुई, जोकि 5 हजार का इनामी और 19 मामलों में वांछित था। बता दें कि दीपक और उसके साथी एक युवती संग मिलकर लूट-छीनाझपटी और स्नैचिंग की बड़ी वारदातों को अंजाम देते थे। युवती हाईवे पर वाहन चालकों से लिफ्ट लेती थी और उसके बाद सभी साथी मिलकर लूटपाट करते थे। यह गैंग 54 से ज्यादा वारदातों के लिए जिम्मेदार था। आरोपित दीपक लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रहा था। आरोपी पर पहले भी कई मामले दर्ज गैंग के मुख्य सरगना दीपक के खिलाफ पंचकूला व मोहाली में स्नैचिंग, लूट, हत्या का प्रयास और हथियार तस्करी सहित कुल 19 आपराधिक मामले दर्ज हैं। दीपक को शनिवार को कोर्ट में पेश कर 3 दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया है। रिमांड के दौरान पुलिस वारदात में लूटा गया कैश और उसके साथियों के बारे में पूछताछ की जाएगा।

करनाल में सराफा व्यापारी से बड़ी लूट, सिर पर हमला कर 15 लाख कैश और डेढ़ किलो सोना ले उड़े बदमाश

करनाल : करनाल के सेक्टर-16 इलाके में बीते दिन सराफा व्यापारी के साथ बड़ी लूट की वारदात सामने आई । स्कूटी पर सवार व्यापारी और उसके साले पर बदमाशों ने अचानक हमला कर दिया। हमले में व्यापारी नीचे गिर गया। बदमाशों ने व्यापारी को लोहे की रॉड से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया और उसके पास मौजूद 15 लाख रुपए नकद व 1500 ग्राम सोने से भरा बैग लूटकर भाग गए। राहगीरों ने घायल को करीब 10 फुट गहरी खाई में पड़ा देखा और अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि करनाल के सराफा बाजार में सोना पिघलाने का काम करने वाला व्यापारी अपने साले के साथ स्कूटी पर घर लौट रहे थे। व्यापारी के पास एक बैग था, जिसमें करीब 15 लाख रुपए नकद और 1500 ग्राम सोना रखा था। जैसे ही दोनों सेक्टर-16 के कम्युनिटी सेंटर के पास पहुंचे, झाड़ियों में छिपे दो हमलावर अचानक बाहर निकले और पीछे से स्कूटी को धक्का दे दिया। हमलावरों ने व्यापारी पर लोहे की रॉड और अन्य वस्तुओं से हमला कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से वह बेसुध हो गया। बदमाशों ने उसके पास मौजूद बैग छीन लिया और फरार हो गए।

टी 20 वर्ल्ड कप के लिए भारत नहीं आएगी बांग्लादेशी टीम

-आईपीएल विवाद के बीच बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का फैसला

ढाका(एजेंसी)। बांग्लादेश की टीम आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 खेलने के लिए भारत नहीं जाएगी। बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात की पुष्टि की है। नजरुल ने कहा कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बैठक के बाद इस बात का फैसला लिया है। अब इंतजार इस बात का है कि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल का इस मुद्दे पर क्या रुख होता है क्योंकि इस बड़े इवेंट के लिए शेड्यूल वगैरह तो आईसीसी ही तैयार करती है।

आसिफ नजरुल ने फेसबुक पर लिखा कि बांग्लादेश विश्व कप खेलने के लिए भारत नहीं जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को यह फैसला लिया है। हम इस फैसले का स्वागत करते हैं, जो इंडियन क्रिकेट बोर्ड की आक्रामक सांप्रदायिक नीतियों के जवाब में लिया गया है। बीसीबी का ये फैसला बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग से बाहर करने के बाद लिया गया है। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने कोलकाता नाइट राइडर्स को निर्देश दिया था कि वो मुस्ताफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज कर दे। केकेआर ने बीसीसीआई के निर्देशों का पालन करते हुए मुस्ताफिजुर को रिलीज कर दिया था।

मुस्ताफिजुर को रिलीज करने के बाद हुआ बवाल

कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुस्ताफिजुर रहमान को पिछले महीने हुई आईपीएल नीलामी में 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। भारत के कुछ धार्मिक और राजनीतिक संगठनों की ओर से बांग्लादेशी खिलाड़ी के आईपीएल में खेलने पर सवाल उठाए गए,जिसके बाद बीसीसीआई ने बड़ा निर्णय लिया था। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को 2026 के लिए अपने घरेलू अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम की घोषणा की थी, जिसमें भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज़ भी शामिल है। यह सीरीज पहले 2025 में प्रस्तावित थी, लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया था। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश के मुकाबले कोलकाता और मुंबई में खेले जाने निर्धारित हैं। निर्धारित शेड्यूल के मुताबिक टीम को अपना पहला मैच 7 फरवरी को ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलना है। हालांकि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए इन मुकाबलों के स्थान को लेकर अब असमंजस की स्थिति बन गई है।

चोट से रिकवर कर मैदान में उतरने को तैयार अय्यर... 6 जनवरी को हिमाचल के खिलाफ मैच

मुंबई (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर चोट से रिकवरी के बाद प्रतिस्पर्धी मुकाबले खेलने को तैयार हैं। 31 वर्षीय खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी। अय्यर 6 जनवरी को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में मुंबई की ओर से हिमाचल प्रदेश के खिलाफ खेलने वाले है। रिपोर्ट के अनुसार, श्रेयस अय्यर को बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से कुछ शर्तों के साथ खेलने की मंजूरी मिली है। अय्यर ने अपने रिहैबिलिटेशन के आखिरी दौर के लिए सीओई में 10 दिन बिताए। रिटर्न-टू-प्ले प्रोटोकॉल के तहत, अय्यर ने 2 जनवरी को एक प्रैक्टिस मैच भी खेला। इस प्रैक्टिस मैच के दौरान अय्यर को किसी तरह की तकलीफ महसूस नहीं हुई।

विजय हजारे ट्रॉफी में अय्यर का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने साल 2024 में कर्नाटक के विरुद्ध 50 गेंदों में 114 रन की पारी खेली थी। अय्यर ने प्रमुख घरेलू वनडे प्रतियोगिता में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है। वह पिछले सीजन 5 मुकाबलों में 325 रन बनाकर मुंबई के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने है।

बात दें कि अय्यर को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के तीसरे वनडे के दौरान गंभीर चोट लगी थी। कैच लेने की कोशिश में अय्यर अपना संतुलन खो बैठे और पसलियों के बल मैदान पर गिर पड़े। इससे उनकी स्प्लीन में गंभीर चोट आई और अंदरूनी ब्लीडिंग भी हुई। इसके बाद से अय्यर क्रिकेट मैदान से दूर हैं।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत की वनडे टीम शनिवार को चुनी जाएगी, जिसमें खिलाड़ियों की फिटनेस पर ध्यान दिया जाएगा। इसके बाद यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है कि चयनकर्ता उन्हें सीधे इंटरनेशनल मुकाबलों के लिए चुने सकते हैं या फिर पहले उन्हें घरेलू प्रतियोगिता में परखना चाहते है।

डेविड वॉर्नर ने बिग बैश लीग में सिडनी थंडर्स की ओर से खेली शतकीय बारी

-टी20 क्रिकेट में विराट कोहली के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर इस समय बिग बैश लीग में सिडनी थंडर्स के लिए खेल रहे हैं। बीबीएल 2025-26 के 21वें मैच में सिडनी थंडर्स का मुकाबला होबार्ट हरिकेंस के साथ हुआ। इस मैच में वॉर्नर ने सिडनी के लिए रिकॉर्ड शतकीय पारी खेली। सिडनी के लिए वॉर्नर ने मैच में नाबाद 130 रन बनाए। उन्होंने सिर्फ 57 गेंद में अपना शतक पूरा किया। इससे पहले वॉर्नर ने बीबीएल में आखिरी बार 2011 में शतक लगाया था। इस तरह उन्होंने बीबीएल में 14 साल के सूखे को खत्म किया। इस शतकीय पारी के साथ ही वॉर्नर ने टी20 क्रिकेट में विराट कोहली के एक बड़े रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली। टी20 फॉर्मेट में वॉर्नर का ये 9वां शतक था। वॉर्नर ने अपनी 428वीं पारी में ये कारनामा किया, जबकि कोहली ने 397वीं पारी में 9वीं टी20 सेंचुरी लगाई थी। टी20 में क्रिस गेल 22 सेंचुरी के साथ पहले स्थान पर हैं। वहीं पाकिस्तान के बाबर आजम 11 टी20 शतक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ डेविड वॉर्नर ने शतक लगाया, लेकिन उनकी टीम को जीत नहीं मिल सकी। मुकाबले में सिडनी की टीम पहले बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरी थी। बैटिंग में टीम की शुरुआत खराब हुई और उसने बिना कोई रन बनाए अपने 2 विकेट गंवा दिए, फिर वॉर्नर ने अकेले मोर्चा संभालाते हुए निक मेडिसन, सैम बिलिंग्स और डेनियल सम्स के साथ मिलकर स्कोर को 20 ओवर के खेल में 4 विकेट के नुकसान पर 204 रन तक पहुंचाया। सिडनी के इस स्कोर के जवाब में होबार्ट की शुरुआत बहुत ही शानदार रही थी। पारी की शुरुआत करने आए टिम वार्ड और मिचेल ओवेन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 108 रनों की पार्टनरशिप की। टिम वार्ड ने होबार्ट के लिए 90 रनों की शानदार पारी खेली। इसके अलावा मिचेल ओवेन ने 45 रन बनाए। इन दोनों के आउट होने के बाद मिडिल ऑर्डर के खिलाड़ियों ने 17.5 ओवर में टीम के स्कोर को 207 रन पहुंचाकर होबार्ट को 6 विकेट से जीत दिलाई।

खराब शुरुआत के बावजूद रूट और ब्रूक की अर्धशतकीय पारी से संभाली इंग्लैंड की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर हो रहे एशेज 2025-26 के पांचवें टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड ने खराब शुरुआत के बावजूद मैंच पर मजबूत पकड़ बना ली। जो रूट और हैरी ब्रूक की अर्धशतकीय पारियों ने टीम को संभाल लिया है। बारिश और खराब रोशनी के कारण दिन का खेल जल्दी समाप्त करना पड़ा और केवल 45 ओवर ही फेंके जा सके। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी मजबूत करने के लिए झाय रिचर्डसन की जगह ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को शामिल किया। वहीं, स्पिनर टॉड मर्फी को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा कि पिच से स्पिनरों को मदद नहीं मिलने की वजह से यह फैसला लिया। दूसरी ओर, इंग्लैंड को मजबूरन एक बदलाव करना पड़ा और चोटिल गस एटकिंसन की जगह मैथ्यू पॉट्स को टीम में शामिल करना पड़ा। इंग्लैंड की शुरुआत फिर निराशाजनक रही। बेन डकेट ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी कर मिचेल स्टार्क के एक ओवर में लगातार दो चौके लगाए, लेकिन 24 गेंदों में 27 रन बना विकेट के पीछे कैच दे बैठे। इसके बाद माइकल नेसर ने जैक क्रॉली को 29 गेंदों में 16 रन पर एलबीडब्ल्यू किया। अगले ही ओवर में स्कॉट बोलैंड ने जैकब बेथेल को 23 गेंदों में 10 रन पर आउट कर दिया। इंग्लैंड ने 13 ओवर में 57 रन पर अपने तीन शीर्ष विकेट गंवा दिए।

इसके बाद जो रूट और हैरी ब्रूक ने नई गेंद को संभालते हुए पारी को स्थिर किया। लंच तक इंग्लैंड का

स्कोर 114/3 था। कैमरन ग्रीन पहले सत्र में प्रभावी साबित नहीं हुए। 34वें ओवर में दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए--रूट ने 65 गेंदों में और ब्रूक ने 63 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की। ग्रीन के एक ओवर में ब्रूक ने टेस्ट का पहला छक्का भी लगाया। 45 ओवर के बाद अंपायरों ने लाइट मीटर निकाला और खराब रोशनी के चलते खिलाड़ियों को मैदान से बाहर जाना पड़ा। इसके बाद बारिश के कारण खेल दोबारा शुरू नहीं हो सका। दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड का स्कोर 211/3 था। जो रूट 103 गेंदों में 72 रन (8 चौके) और हैरी ब्रूक 92 गेंदों में 78 रन (6 चौके, 1 छक्का) बनाकर नाबाद लौटे।

तेज गेंदबाज मयंक यादव ने शुरु की गेंदबाजी, लखनऊ सुपर जायंट्स को मिली राहत

नई दिल्ली । लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव अब तेजी से फिटनेस हासिल कर रहे हैं। मयंक पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण तकरीबन एक साल से मैदान से बाहर थे। अब उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है। 23 साल के मयंक ने पहले ही सत्र में अपनी तेज रफ्तार से सबका ध्यान खींचा था। मयंक इसके बाद पीठ की चोट के कारण 2025 सत्र में केवल दो ही मुकाबले खेल पाये थे। लखनऊ सुपर जायंट्स ने उनके पूरी तरह से फिट नहीं होने के बाद भी इस गेंदबाज को रिटेन किया है। वहीं एक बोर्ड अधिकारी ने कहा, मयंक अपने रिहैबिलिटेशन में अच्छी प्रगति कर रहे हैं और उन्होंने तेजी से गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है। इस अधिकारी ने साथ ही कहा, उन्होंने स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग में भी काफी बेहतर किया है, जिससे वह तेज गेंदबाजी के लिए पूरी फिटनेस हासिल करने के करीब है। उम्मीद है कि आने वाले समय में वह 100 फीसदी तेजी से गेंदबाजी कर पायेंगे।

अभी रोहित और विराट को खेलते हुए देखना चाहते हैं इरफान पठान

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने कहा है कि वह रोहित शर्मा और विराट कोहली को अभी खेलते हुए देखना चाहते हैं। वहीं पठान ने रोहित और कोहली के पुरुष विश्व कप 2027 में खेलने की संभावनाओं को लेकर कहा, आप निश्चित रूप से 2027 एकदिवसीय विश्वकप कप के बारे में उनको खेलते देखना चाहेंगे हालांकि अभी इसमें काफी समय है । इसलिए अभी से कुछ नहीं कहा जा सकता है पर जहां तक मेरी बात है मैं बस रोहित और कोहली दोनों को लंबे समय तक भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट खेलते हुए देखना चाहता हूं। साथ ही कहा कि अभी ये दोनो ही केवल एक प्रारुप में खेल रहे हैं। इसलिए वे जितना ज्यादा खेलेंगे, उतना ही उनके लिए अच्छा रहेगा। वहीं पठान ने एकदिवसीय टीम के नये कप्तान शुभमन गिल की भी प्रशंसा करते हुए कहा, जब मुझे पहली बार 19 साल की उम्र में चुना गया था, तो द्रविड़ ने कहा था, इरफान, यह अच्छी बात है कि तुम इस लेवल तक पहुंच गए हो, लेकिन अब चीजें और कठिन होंगी। जब मैंने उनसे पूछा कि अगर चीजें मुश्किल हो जाएं तो मुझे क्या करना चाहिए? उन्होंने जवाब दिया, तुम्हें इसे संभालना आ जाएगा और ऐसा ही कुछ शुभमन गिल के साथ भी होगा। इंग्लैंड दौरे पर शुभमन के साथ एक अच्छी बात यह हुई कि उनका टेस्ट एवरेज बेहतर हुआ और टीम पर उनका दबदबा भी बढ़ा। अब वनडे में भी उन पर जिम्मेदारी है और यह उनके लिए आगे बढ़ने का एक बड़ा मौका है। वहीं शुभमन की तुलना विराट कोहली से किए जाने पर पठान ने कहा,वह बहुत प्रतिभाशाली है इसलिए तुलना होगी ही। ये वैसे ही है जैसे पहले विराट कोहली की सचिन तेंदुलकर से तुलना की जाती थी। इसलिए इसमें कुछ अलग नहीं है पर शुभमन को लगातार रन बनाकर विराट से तुलना को सही साबित करना होगा।

टी20 में बेहतर संतुलन के लिए गेंदबाजों को पांच ओवर दें : टॉफेल

सिडनी (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई अंपायर साइमन टॉफेल ने कहा है कि टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों को चार ओवर की जगह पर पांच ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति दी जानी चाहिए। टॉफेल के अनुसार इससे गेंद और बल्ले के बीच बेहतर संतुलन रहेगा। आजकल अधिकतर मैचों में बल्लेबाज हावी रहते हैं जिससे काफी बड़े स्कोर बन रहे हैं। वर्तमान में एक गेंदबाज टी20 प्रारुप में केवल चार ओवर ही कर सकता है पर टॉफेल का मानना है कि अगर गेंदबाज को पांच ओवर दिये जायं तो खेल की रणनीति बदल जाएगी।

इस अंपायर ने कहा , 'मैंने कुछ अलग-अलग लीग को कुछ अपनी ओर से कई सुझाव दिए हैं, जिन पर अभी तक

किसी ने ध्यान नहीं दिया है। मैं सीमित ओवरों के क्रिकेट को रोमांचक बनाने के पक्ष में हूं इसलिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में एक समान हालात चाहता हूं। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि टी20 क्रिकेट में एक गेंदबाज पांचवां ओवर भी फेंके। अगर कोई बल्लेबाज पहली गेंद से लेकर अंत गेंद तक पूरी पारी में क्रीज पर रह सकता है तो फिर हम सभी गेंदबाजों को चार ओवर तक ही क्यों सीमित किया जार रहा है।

टॉफेल ने कहा, 'क्या हम किसी एक गेंदबाज को एक अतिरिक्त ओवर दे सकते हैं जिससे बल्लेबाजी और गेंदबाजी के बीच बराबरी हो सकेगी। मैं केवल मैच में संतुलन चाहता हूं। उन्होंने कहा कि वह हाल ही में शामिल किये गये इम्पैक्ट प्लेयर नियम और रणनीतिक टाइमआउट को सही नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा, 'सभी बदलाव अच्छे नहीं होते। हम केवल बाजार के अनुसार चीजे नहीं बदल सकते। हमें खेल को देखते हुए सावधानी बरतनी होगी। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर होता है। वहीं आईएलटी20 में सुपर सब होता है।

छेत्री सहित भारतीय फुटबॉलरों ने फीफा से की अपील, आईसीएल निलंबित होने से परेशानी में हैं खिलाड़ी

कोलकाता । भारतीय फुटबॉल टीम के स्टार खिलाड़ी सुनील छेत्री ने कहा है कि आज देश का फुटबॉल जगत बेहद कठिन दौर से गुजर रहा है। छेत्री के अनुसार इंडियन सुपर लीग (आईसीएल) को निलंबित किये जाने के बाद से ही खेल मुश्किल में है। ऐसे में भारतीय फुटबॉल को बचाने के लिए विश्व फुटबॉल महासंघ (फीफा) को कदम उठाने चाहिये। आईएसएल के निलंबन के बाद से ही नये सत्र की शुरुआत नहीं हो पायी है। इससे खिलाड़ी आर्थिक संकटों से भी जूझ रहे हैं। खिलाड़ियों के साथ ही क्लब भी संश में हैं। खिलाड़ियों को वेतन तक नहीं मिल पा रहा है। इससे खिलाड़ियों का करियर भी संकट में है। छेत्री के साथ ही गुरप्रीत सिंह संधू, संदेश झिंगन सहित कई अन्य खिलाड़ियों ने भी कहा कि आईएसएल को शीघ्र बहाल किया जाना चाहिये। खिलाड़ियों ने कहा कि भारतीय फुटबॉल इस समय ऐसे ठहराव में फंसा है, जहां आगे की राह नहीं दिख रही है। वहीं संधू ने कहा कि साल की शुरुआत में खिलाड़ियों को आईएसएल खेलना चाहिये था पर वह अभी तक संशय में हैं। इस मामले में खिलाड़ियों ने विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा से सीधे हस्तक्षेप की अपील की है। । छेत्री ने कहा कि खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ, क्लब मालिक और प्रशंसक सभी स्पष्टता, सुरक्षा और सबसे अहम एक सुरक्षित भविष्य के अधिकारी हैं। गौरतलब है कि ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट के नवीनीकरण को लेकर समझौता 8 दिसंबर को समाप्त हो गया था, जिसके बाद जुलाई से ही 2025-26 सीजन को रोक दिया गया।

अभी संन्यास लेने का इरादा नहीं : स्मिथ

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि अभी वह खेल का आनंद ले रहे हैं और उनका निकट भविष्य में संन्यास का कोई इरादा नहीं है। स्मिथ ने अबत एशेज सीरी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। नियमित कप्तान पीट कमिंस के बाहर होने से वह कप्तानी की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। स्मिथ के अनुसा अभी वह फिट हैं और लंबे समय तक टीम के लिए खेल सकते हैं। वहीं स्मिथ से जब उनके एशेज 2027 में खेलने को लेकर सवाल पूछा गया। तो उन्होंने कहा, मैंने कुछ समय से कहा है, मैं इसे सीरीज-दर-सीरीज देख रहा हूं, और हम देखेंगे कि चीजें कहां पहुंचती हैं। मुझे लगता है कि मैं अभी ठीक कर रहा हूं, मैं खेल का आनंद ले रहा हूं, मैं अपना योगदान दे रहा हूं, और इसमें मुझे अच्छा लग रहा हूं। इसलिए अभी संन्यास को लेकर कोई तारीख तय नहीं की जा सकती है।

उन्होंने कहा, हाल के कुछ साल में ऑस्ट्रेलियाई टीम के अच्छे प्रदर्शन से खेल और बेहतर हुआ है। मैच अब ड्रॉ नहीं हो रहे बल्कि परिणाम आ रहे है। ये अच्छे संकेत हैं। हमारे पास एक अच्छी टीम है। हम लगातार दो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेले हैं। ऐसा कभी नहीं हुआ कि केवल एक या दो खिलाड़ी ही खेले रहे हों। टीम के सभी खिलाड़ी अपनी ओर से योगदान दे रहे हैं। इसी वजह से हम एक अच्छी टीम बने हैं। इस टीम का हिस्सा बआ रहना सबसे अच्छा रहा है। अब एक बड़े खिलाड़ी के तौर पर, मैं आने वाले कुछ खिलाड़ियों की सहायता कर सकूंगा और उन्हें टेस्ट क्रिकेट का खेल सिखाने में सहायता कर सकूंगा।स्मिथ ने संन्यास की घोष्णा करने वाले उस्मान ख्वाजा की भी प्रशंसा की है। वहीं अपनी कप्तानी में ख्वाजा को टीम में नहीं लिए जाने पर स्मिथ ने कहा कि इससे उन्हें सबक मिला और ख्वाजा ने स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल को पहले से बेहतर बनाया है। ,

आईपीएल से बाहर हुए मुस्तफिजुर रहमान का 400वां कमाल.... हासिल की ये बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के बीच मुस्तफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देशों के बाद आईपीएल फ्रेंचाइजी केकेआर की टीम से बाहर कर दिया गया है। आईपीएल से बाहर होने के बाद रहमान ने टी20 क्रिकेट में एक बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। मुस्तफिजुर रहमान ने टी20 क्रिकेट में 400 विकेट पूरे किए और बतौर तेज गेंदबाज सबसे तेज यह उपलब्धि हासिल करने वाले पेसर बने है। टी20 में सबसे तेज 400 विकेट लेने का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान के नाम है। मुस्तफिजुर टी20 इतिहास में 400 विकेट लेने वाले सिर्फ 11वें गेंदबाज बने है। वह ऐसा करने वाले शाकिब अल हसन के बाद दूसरे बांग्लादेशी भी हैं, जिन्होंने बीपीएल 2022 के दौरान 353 मैचों में यह कारनामा किया था।

30 साल के मुस्ताफिजुर ने यह रिकॉर्ड अपना 315वां टी20 मैच खेलकर बनाया। यह मुकाबला बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में सिलहट टाइटंस के खिलाफ बना। रंगपुर राइडर्स की ओर से खेलकर मुस्ताफिजुर ने 4 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट लिए और अपनी टीम को 6 विकेट से जीत दिलाई। उन्होंने मेहदी हसन मिराज का विकेट लेकर 400 विकेट पूरे किए, इसके बाद अफिफ हुसैन ध्रुबो और खालिद अहमद को भी आउट किया। अब मुस्ताफिजुर के नाम 315 टी20 मैचों में 402 विकेट हैं। उनका इकॉनमी रेट 7.43 का है। उन्होंने टी20 में 6 बार चार विकेट और 4 बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया है।

मुस्तफिजुर ने पाकिस्तान के वहाब रियाज का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 335 मैच में 400 विकेट लेने का कमाल किया था। यह बांग्लादेशी पेसर अब कुल मिलाकर 400 टी20 विकेट लेने वाले दूसरे सबसे तेज गेंदबाज बन गया है। उन्होंने साउथ अफ्रीका के लेग-स्पिनर इमरान ताहिर को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने यह मुकाम हासिल करने के लिए 320 मैच लिए थे। अफगानिस्तान के स्पिन स्टार राशिद खान कुल मिलाकर 400 टी20 विकेट लेने वाले सबसे तेज गेंदबाज बने हुए हैं, उन्होंने यह कारनामा सिर्फ 289 मैचों में किया।

शमी के चयन नहीं होने पर नाराज कोच ने गुस्सा जताकर कहा... और कितने विकेट लेने होंगे?

नई दिल्ली । भारत की आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए घोषित 15 सदस्यीय टीम से अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को नहीं शामिल किया गया है। इस फैसले ने सभी को चौंका दिया है, खासकर इसलिए क्योंकि शमी घरेलू क्रिकेट में शानदार फार्म में हैं। चयनकर्ताओं ने तेज गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर भरोसा दिखाया है। शमी के बचपन के कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी ने चयन समिति के फैसले पर खुलकर नाराजगी जाहिर कर दी है। उन्होंने मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर पर सवाल उठाकर कहा कि शमी को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। बदरुद्दीन ने कहा, एक खिलाड़ी और क्या कर सकता है? शमी को और कितने विकेट लेने होंगे? शमी का मौजूदा घरेलू सीजन उनके चयन का मजबूत दावा पेश करता है। विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने पांच मैचों में 11 विकेट झटके हैं। हाल ही में असम के खिलाफ बंगाल की ओर से खेलकर शमी ने 3 विकेट देकर 55 रन खर्च किए और टीम को विपक्षी को 217 रन पर ढेर करने में मदद की। हालांकि, कोच बदरुद्दीन को आशंका है कि चयन समिति अब 35 वर्षीय शमी से आगे बढ़ने का मन बना चुकी है। उनका मानना है कि भविष्य की योजनाओं के तहत युवा गेंदबाजों को मौका दिया जा रहा है।

8 सब का सपना
हिंदी दैनिक
मनोरंजन
अमरोहा
सोमवार 05 जनवरी 2026
www.sabkasapna.com

परिवार के साथ बर्फबारी एन्जॉय करती नजर आई प्रियंका चोपड़ा

साल 2025 के आखिरी हफ्ते में अपनी फैमिली के साथ क्वॉलिटी टाइम बिता रही एक्ट्रेस प्रियंका चोपडा ने इंस्टाग्राम पर स्पेशल पोस्ट शेयर किया, जिसमें वह अपनी फैमिली मां मधु चोपड़ा, पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के साथ न्यूयॉर्क की बर्फबारी एन्जॉय करती हुईं नजर आ रही हैं। पोस्ट में शेयर की कई तस्वीरें और वीडियो में प्रियंका बेटी के साथ मैचिंग करते हुए क्रीम आउटफिट में नजर आ रही हैं। जबकि एक फोटो में वह मां मधु चोपड़ा के साथ सेल्फी लेते हुए दिख रही हैं। इसके अलावा अन्य वीडियो में प्रियंका और मालती को हाथ पकड़े सड़क पर गिरी बर्फ पर चलते हुए देखा जा सकता है। वहीं कुछ देर चलने के बाद मालती बर्फ में अकेले चलते हुए नजर आती हैं और कपल उसकी वीडियो रिकॉर्ड करता हुआ नजर आ रहा है। कुछ तस्वीरों में मालती बॉनफायर एन्जॉय करती हुई बी नजर आती हैं। जबकि एक में वह क्रिसमस ट्री के पास खड़ी दिख रही हैं। इस पोस्ट के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, कुछ वक्त खुशी आसमान से गिरती है। इसका सबूत यह है। इसके साथ एक्ट्रेस ने स्नोफ्लेक्स, स्माइली और हार्ट इमोजी कैप्शन में एड किए हैं। वहीं इस पोस्ट के साथ एक्ट्रेस ने बैकग्राउंड में गाना समवेयर ओनली वी नो गाना एड किया है और न्यूयॉर्क की एक लोकेशन को भी टैग किया है। इस पोस्ट को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और एक्ट्रेस के लिए हार्ट इमोजी शेयर करते हुए नजर आ रहे हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा की अपकमिंग तेलुगू डेब्यू फिल्म एस एस राजामौली की वाराणसी है, जिसमें महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आने वाले हैं। फिल्म में प्रियंका मंदाकिनी, महेश बाबू रुद्र और पृथ्वीराज कुम्भा के रोल में नजर आएंगे। फिल्म साल 2027 में संक्रांति पर रिलीज होगी। बता दें कि एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा साल 2025 के आखिरी हफ्ते में अपनी फैमिली के साथ क्वॉलिटी टाइम बिताती हुईं नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर वह फैंस के साथ इसकी झलक जरुर दिखा रही हैं।

अल्लू अर्जुन के घर बजेगी शहनाई

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के परिवार में जल्द ही शादी की रौनक देखने को मिलेगी। अल्लू अर्जुन के भाई और अभिनेता अल्लू सिरीश अपनी गर्लफ्रेंड नयनिका रेड्डी से शादी करने जा रहे हैं। बीते महीने कपल ने सगाई की थी और अब उन्होंने अपनी शादी की तारीख का भी ऐलान कर दिया है। अल्लू सिरीश ने बेहद मजेदार अंदाज में अपनी वेडिंग डेट का खुलासा किया। उन्होंने अपने भतीजे अल्लू अयान और भतीजी अल्लू अरहा के साथ एक रील शेयर की, जिसमें बच्चे उनसे शादी की तारीख पूछते नजर आते हैं। इस पर सिरीश हंसते हुए जवाब देते हैं कि उनकी शादी 6 मार्च 2026 को होगी। वीडियो में साउथ इंडियन शादी के रीति-रिवाजों को लेकर भी मजाकिया अंदाज देखने को मिला।

मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे ऐसे मौके मिले: मोना सिंह

अभिनेत्री मोना सिंह ने टीवी, सिनेमा और डिजिटल प्लेटफॉर्म, तीनों में अपनी जगह बनाई है। अभिनेत्री मोना सिंह के लिए बीते 25 साल व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह के विकास का दौर रहा। मोना सिंह ने कहा, मैंने इंडस्ट्री के साथ-साथ खुद को भी आगे बढ़ाया है। मुझे ऐसे किरदार मिले जिन्होंने चुनौती दी और मेरी क्षमता को परखा। इतने सालों बाद भी अगर मैं उत्साहित हूं, तो यह मेहनत और सीख का ही परिणाम है। उन्होंने कहा, मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे ऐसे मौके मिले, जहां मैंने अलग-अलग माध्यमों में काम करते हुए अपनी पहचान बनाई। जब उनसे इंडस्ट्री में आए सबसे बड़े बदलाव के बारे में पूछा, तो मोना ने कहा, इंडस्ट्री में काफी बदलाव आए, लेकिन सबसे ज्यादा हैरानी इस बात की हुई कि इंडस्ट्री ने बदलाव को इतनी जल्दी अपनाया। ओटीटी प्लेटफॉर्म के आने से कलाकारों और कहानीकारों के लिए नए मौके खुले। अब उम्र, जॉनर या फॉर्मेट की कोई बाधा नहीं रही।उन्होंने कहा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दर्शक भी सीधे कलाकारों से जुड़ सकते हैं। 90 के दशक में कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन दर्शक कलाकारों से इतनी सीधे बातचीत कर सकेंगे। मोना सिंह ने कहा, पिछले 25 सालों में बॉलीवुड में सबसे बड़ा बदलाव कहानी कहने के तरीके में आया है। अब कहानियां ज्यादा वास्तविक, बहु-स्तरीय और निडर बन गई हैं। फिल्में और वेब सीरीज अब उन भावनाओं और किरदारों को दिखा रही हैं जिनसे पहले लोग बचते थे। यह बदलाव न केवल कलाकारों के लिए नए अवसर लेकर आया है, बल्कि दर्शकों के अनुभव को भी नया रूप देता है। उन्होंने कहा, टेक्नोलॉजी ने फिल्मों की शूटिंग और प्रस्तुति को पूरी तरह बदल दिया है। कैमरा, एडिटिंग और डिजिटल प्रभावों के साथ अब कहानी दिलचस्प और प्रभावशाली बन गई है। लेकिन, सबसे रोमांचक चीज यह है कि दर्शक भी बदल गए हैं।

मैंने दूसरी भाषाओं में फिल्में दोस्ती के लिए कीं: किच्चा सुदीप

साउथ फिल्मों के एक्टर किच्चा सुदीप ने कहा कि पैसे से ज्यादा दोस्ती को अहमियत देने की बात करते हुए एक्टर ने दबंग 3 के बारे में कहा, मैंने दूसरी भाषाओं में फिल्में दोस्ती के लिए कीं, पैसे के लिए नहीं। मैंने दबंग 3 में इसलिए काम किया क्योंकि सलमान भाई ने मुझसे खुद गुजारिश की थी, और मैंने इसके लिए कोई फीस नहीं ली। मैंने पुली भी थलपति विजय की वजह से की। वो कभी किसी के बारे में बुरा नहीं बोलते, और मुझे ये बात अच्छी लगती है। लेकिन नानी की स्क्रिप्ट ऐसी थी, जिसने मुझे सच में इम्प्रेस किया। बता दें कि किच्चा सुदीप की फिल्म मार्क 25 दिसंबर, 2025 को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इसमें उन्होंने अजय मार्कंडेय का किरदार निभाया है, जो सस्पेंडेड पुलिस ऑफिस है। अब इस मूवी को जहां क्रिटिक्स का पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। वहीं, एक्टर ने एक इंटरव्यू में कैमियो को लेकर कुछ विवादित कह दिया है। एक इंटरव्यू में किच्चा सुदीप ने कहा कि एक्टर के तौर पर उन्होंने दूसरी भाषाओं की फिल्मों में कैमियो रोल किया है लेकिन एक्टर्स साउथ की फिल्मों में एक्ट करने नहीं आ रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि उन्होंने कुछ कलाकारों को पर्सनली भी कहा था। उनसे गुजारिश की थी लेकिन कुछ नहीं हुआ। एक्टर ने कहा, हम दूसरी भाषाओं की फिल्मों में कैमियो रोल कर रहे हैं, लेकिन कलाकार हमारी फिल्मों में आकर अभिनय नहीं कर रहे हैं। मैंने कुछ आर्टिस्ट्स से व्यक्तिगत रूप से अनुरोध भी किया, लेकिन बात नहीं बनी। यह दोनों पक्षों के सहयोग से होना चाहिए, लेकिन मुझे अभी ऐसा होता नहीं दिख रहा है। यहां तक कि शिवराजकुमार सर ने भी जेलर में अभिनय किया था, जिससे ये साफ दिखता है कि दूसरी इंडस्ट्रीज के बीच आपसी सहयोग कैसा होना चाहिए।

धुरंधर को लेकर रणवीर सिंह के नाम की फेक पोस्ट वायरल

सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को लेकर एक फर्जी पोस्ट वायरल हो गया है, जिसमें दावा किया गया है कि एक्टर ने कांतारा मिमिक्री विवाद में उन्हें ट्रोल करने वालों को करारा जवाब दिया है। वायरल पोस्ट में रणवीर के नाम से एक लंबा मैसेज शेयर किया गया। इसमें लिखा, असली जीत बॉक्स ऑफिस कलेक्शन नहीं है, बल्कि तब होती है जब वही लोग, जिन्होंने फिल्म रिलीज होने से दो दिन पहले आपके अनजाने व्यवहार के लिए आपको अपमानित किया और फिर फिल्म की सफलता के कुछ दिनों बाद आपको सपोर्ट करने का नाटक करते हैं। बताया जा रहा है कि रणवीर सिंह ने ऐसा कोई पोस्ट नहीं किया है। यह एक एडिट की हुई तस्वीर है और रणवीर ने इसे कभी पोस्ट नहीं किया। रणवीर के सोशल अकाउंट हैंडल की तरह ही दिख रहे इस अंकाउंट से किया गया ये पोस्ट फेक है। वहीं फिल्म रिलीज के बाद रणवीर ने केवल एक क्रिप्टिक पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने लिखा था, किस्मत की एक बहुत खूबसूरत आदत है, कि वो वक्त आने पर बदलती है...लेकिन फिलहाल...नजर और सब्र। बता दें कि आईएफएफआई 2025 क्लोजिंग में रणवीर ने कांतारा चैप्टर 1 के ऋषभ शेट्टी के आइकॉनिक दैव्य सीन की मिमिक्री की। उन्होंने देवी को फीमेल घोस्ट कह दिया, जिससे सोशल मीडिया पर बवाल मच गया। ट्रोलर्स ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया और धुरंधर बॉयकॉट की धमकी दी।
रणवीर ने माफी मांगी, लिखा- मेरा इरादा सिर्फ ऋषभ की परफॉर्मेंस हाईलाइट करना था, अगर ठेस पहुंची तो सॉरी । बेंगलुरु में उनके खिलाफ एफआईआर तक दर्ज हो गई ।फिर 5 दिसंबर को धुरंधर रिलीज हुई। अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल संग ये स्पाई थ्रिलर ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी। इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है।

वीडियो पोस्ट कर हेल्दी जूस की रेसिपी बताई सोहा अली ने

सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह ग्रीन जूस बनाती हुई नजर आईं। यह जूस हाइड्रेशन, फाइबर और मिनरल्स से भरपूर है, जो पाचन, हार्मोन बैलेंस और एनर्जी बनाए रखने में मदद करता है। इसे सोहा ने न्यू ईयर का तोहफा बताया। सोहा अली खान ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करते हुए हेल्दी जूस की रेसिपी भी बताई। उन्होंने बताया कि यह रेसिपी न सिर्फ हेल्दी है बल्कि घर पर आसानी से बनाई जा सकती है। इसके लिए गाजर, खीरा, अजवाइन, चिया सीड्स, ड्रैगन फ्रूट, अदरक, धनिया, मूंग अंकुर और ग्रीन्स लें और सभी को ब्लेंड करके पी लें। सोहा ने सलाह दी कि धीरे-धीरे शुरू करें और शरीर की सुनें। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मेरी तरफ से आपको हैप्पी न्यू ईयर का तोहफा। जैसा कि वादा किया था, यह रहा ग्रीन जूस जो मैं ज्यादातर सुबह पीती हूं। यह कोई हार्ड डिटॉक्स जूस नहीं है। यह आपको हेल्दी बनाएगा, इसे रोजाना पीएं। यह हाइड्रेशन, फाइबर, मिनरल्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है, जो शरीर को वह काम करने में मदद करते हैं जो उसे पहले से ही पता है। यह जूस पाचन सुधारने, हार्मोन बैलेंस रखने और पूरे दिन एनर्जी बनाए रखने में मदद करता है। खासकर जब भारीपन या सुस्ती महसूस हो, तब यह और भी कारगर है। अभिनेत्री सोहा ने बताया कि इसे आमतौर पर वह नाश्ते के बाद और लंच से पहले पीती हैं। यही नहीं, सोहा अली ने फैंस को हेल्दी ग्रीन जूस की रेसिपी भी बताई, जो बेहद साधारण और पौष्टिक है। इसके लिए गाजर, खीरा, दो डंठल अजवाइन, आधा कप नारियल पानी, आधा चम्मच चिया सीड्स (रात भर भिगोए हुए), एक छोटा टुकड़ा ड्रैगन फ्रूट (क्यूब्स में कटा हुआ), ताजा कसा हुआ अदरक, मुट्ठी भर धनिया पत्ती, एक मुट्ठी मूंग दाल के अंकुर (हल्के से स्टीम किए हुए) और एक मुट्ठी बेबी ग्रीन्स लें। उन्होंने बताया कि इसे बनाने का तरीका भी बहुत आसान है। सभी सामग्री को ब्लेंडर में डालकर चिकना होने तक ब्लेंड करें। अगर पतला जूस पसंद हो तो थोड़ा और नारियल पानी मिला लें। सोहा ने फैंस को सलाह दी कि धीरे-धीरे शुरू करें और सामग्री में बदलाव करते रहें। यह जूस विटामिन, मिनरल्स और फाइबर से भरपूर होने से इम्यूनिटी बूस्ट करने में भी मदद करता है।

दूसरी शादी को लेकर मलाइका का बड़ा बयान

बॉलीवुड एक्ट्रेस और डांसर मलाइका अरोड़ा एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में मलाइका ने शादी, तलाक और रिश्तों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने साफ किया कि वह शादी जैसी संस्था के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन किसी भी रिश्ते में सम्मान और समझ सबसे जरूरी है। मलाइका का साल 2017 में अरबाज खान से तलाक हुआ था, जिसके बाद वह अर्जुन कपूर के साथ अपने रिश्ते को लेकर सुर्खियों में रहीं। हालांकि, बाद में दोनों का ब्रेकअप हो गया। इन उतार-चढ़ावों के बीच मलाइका ने खुद को मजबूत बनाए रखा और अपनी जिंदगी को नए सिरे से जीना सीखा। दूसरी शादी के सवाल पर मलाइका ने कहा कि अगर जिंदगी में कोई सही इंसान उनके दरवाजे पर आता है, तो वह उसे अपनाने से इनकार नहीं करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि शादी किसी दबाव या मजबूरी में नहीं, बल्कि खुशी और आपसी समझ के साथ होनी चाहिए। मलाइका ने युवाओं को सलाह दी कि शादी से पहले खुद को समझना बेहद जरूरी है।

सिनेमा प्रेमियों के लिए शानदार होने वाला है साल 2026

साल 2025 की तरह नया साल भी सिनेमा प्रेमियों के लिए शानदार होने वाला है। बॉलीवुड के साथ ही साउथ इंडस्ट्री की कई मोस्ट अवेटेड फिल्में रिलीज होने को तैयार हैं। धुरंधर, छावा और सैयारा जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में सफल रहीं। साल 2026 इस मामले में पहले से ही कमर कस चुका है। ये फिल्में एक्शन, ड्रामा, मिथोलॉजी, हॉरर-कॉमेडी और वॉर जॉनर को कवर करती हैं। कई फिल्मों की रिलीज डेट फेस्टिवल्स जैसे संक्रांति, होली और इंडिपेंडेंस डे से भी जुड़ी हैं, जिससे बॉक्स ऑफिस पर धमाका तय है। साल की शुरुआत धमाकेदार होगी।
जनवरी में सबसे पहले इक्कीस रिलीज होगी, जो निर्देशक श्रीराम राघवन की वॉर ड्रामा है। इसमें अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा मुख्य भूमिका में हैं, जबकि धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत महत्वपूर्ण रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म भारत के सबसे युवा परमवीर चक्र विजेता की सच्ची कहानी पर आधारित है। यह दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की अंतिम फिल्म है। जनवरी में द राजा साब भी आएगी। प्रभास स्टारर हॉरर-कॉमेडी का निर्देशन मारुति कर रहे हैं। इसमें निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और संजय दत्त भी अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं, थलापति विजय की आखिरी फिल्म जन नायगन एक पॉलिटिकल एक्शन थ्रिलर है। निर्देशक एच. विनोद की फिल्म में प्रभास के साथ अभिनेत्री पूजा हेगड़े और बॉबी देओल भी अहम भूमिकाओं में हैं। बॉर्डर 2 साल 1997 की क्लासिक बॉर्डर का सीक्वल है।
अनुराग सिंह के निर्देशन में सनी देओल फिर से लीड रोल में हैं। साथ में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी हैं। यह 1971 की जंग पर आधारित वॉर फिल्म है। फिल्म साल 2026 में रिलीज होगी। फरवरी में रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 रिलीज होगी। अभिराज मिनावाला निर्देशित इस क्राइम थ्रिलर में रानी फिर से शिवानी शिवाजी रॉय का रोल निभाएंगी। यह फ्रैंचाइजी का सबसे डार्क चैप्टर बताया जा रहा है। मार्च में कई बड़े क्लैश होंगे। रणवीर सिंह की धुरंधर 2 और यश, कियारा आडवाणी की टॉक्सिक ईद पर टकराएंगी। मार्च में क्लैश देखने को मिलेगा। हाई ऑक्टेन एक्शन फिल्म का फर्स्ट लुक हाल ही में सामने आया है। अप्रैल में सलमान खान की बैटल ऑफ गलवान आएगी। अपूर्व लखिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है, जिसमें सलमान के साथ चित्रांगदा सिंह भी हैं। जून में राजनीकांत की जेलर 2 रिलीज होगी। नेल्सन दिलीप कुमार निर्देशित इस एक्शन-कॉमेडी में विजय सेतुपति और मोहनलाल जैसे स्टार्स भी हैं। अगस्त में संजय लीला भंसाली निर्देशित लव एंड वॉर भी रिलीज होगी।
अभिनेता रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, विक्की कौशल की फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। साल 2026 शाहरुख खान के फैंस के लिए भी खास है। अभिनेता की फिल्म किंग रिलीज होगी। खास बात है कि फिल्म में शाहरुख खान के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी। द राजा साब के साथ ही प्रभास की एक अन्य मूवी स्पिरिट भी रिलीज होगी। प्रभास की फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। राजकुमार संतोषी की फिल्म लाहौर 1947 भी साल 2026 में ही रिलीज होगी। दर्शक एक बार फिर से सनी देओल और प्रीति जिंटा को साथ में देख सकेंगे। नितेश तिवारी की मोस्ट अवेटेड फिल्म रामायण भी 2026 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।